# राजस्थान की राजनीति

E-mail: tniawaz.news@gmail.com | आपकी आवाज के साथ.... | RAJHIN/2012/43137

हिन्दुस्तान पत्रिका

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, शनिवार 18 मई, 2024 | वर्षः 2 | अंकः 206 | पृष्ठः 8 | मूल्यः 2.00 रू.


# सीएम भजनलाल बोले-कांग्रेसियों का गठबंधन नहीं ठगबंधन हैं

## *स्वाति मालीवाल के मामले में बोले- ये परिवारवादी लोग, इनके यहां महिलाओं का सम्मान नहीं होता*



**राजस्थान की राजनीति/जयपुर**

सीएम भजनलाल शर्मा दो दिवसीय उड़ीसा के दौरे पर हैं। आज पहले दिन सीएम भजनलाल शर्मा ने उड़ीसा में अस्का और कंधमाल लोकसभा क्षेत्र में तीन जनसभाओं को संबोधित किया। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए सीएम भजनलाल शर्मा ने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से बदसलूकी के सवाल पर कहा कि जो यह घटना हुई है, वह निंदनीय है। अब इस घटना को दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेसियों का गठबंधन नहीं बल्कि भ्रष्टाचारियों, लूट और झूठ वालों का ठगबंधन है। इस ठगबंधन में परिवारवादी लोग हैं। इनके यहां महिलाओं का कोई सम्मान नहीं होता है। इनके यहां युवा, किसान और मजदूर की कोई चिंता नहीं करता हैं लेकिन देश की जनता सब देख रही हैं। जनता इनको कभी देश में नहीं आने देगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि उड़ीसा के पास संसाधनों की बहुतायत होने के बावजूद यहां बड़ी तादाद में आबादी गरीबी में जीवन बिता रही है। यहां के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने अपने 25 साल के शासन में उड़ीसा को 50 साल पीछे धकेल दिया है।

## उड़ीसा के किसान की आय सबसे कम

मुख्यमंत्री ने कहा कि उड़ीसा के किसानों की आय देश में सबसे कम है क्योंकि उनका चावल कम दाम में बिकता है। भाजपा सरकार आने पर किसानों से 3100 रुपए क्विंटल की दर से चावल खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि उड़ीसा के लोगों के पास भी राजस्थान की तरह भाजपा की डबल इंजन सरकार बनाने का मौका है। उन्होंने लोगों से अस्का लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिता शुभदर्शिनी पटनायक और सनाखेमुंडी विधानसभा से उत्तम कुमार पाणिग्रही को भारी बहुमत से जिताने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा प्रत्याशियों को दिया गया एक-एक वोट पीएम मोदी के खाते में जाएगा और उन्हें अपने तीसरे कार्यकाल के लिए मजबूती प्रदान करेगा।

# भरतपुर में नेशनल हाईवे पर दर्दनाक हादसा, बस ने ट्रक में मारी टक्कर, पांच लोगों की मौत

**राजस्थान की राजनीति/भरतपुर**

भरतपुर में नेशनल हाईवे आगरा-जयपुर मार्ग पर हलेना पर एक उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस ने खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। इसके चलते चार लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया और करीब 15 से 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को भरतपुर के जिला आरबीएम अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है और मृतकों के शवों को हलेना अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। घटना की सूचना पर नेशनल हाईवे की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची है। घटना इतनी जबरदस्त है कि बस के परखच्चे उड़ गए हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश प्रबंधन निगम की बस अलीगढ़ से सवारियों को भरकर भरतपुर के रास्ते होते हुए जयपुर जा रही थी, तभी हलेना पर खड़े हुए ट्रक में पीछे से टक्कर मारी है।

## हादसे में 13 यात्री घायल

निक्की जाट (28), रामू (35), संतोष (45), सूर्यप्रताप (21), राजू (27), मोहित (32), पप्पू (45), जीतेंद्र (25), अवनीश (35), तेजवीर (32), सुमित (26), एक बच्ची (3), एक बच्चा (1) शामिल है। जबकि चार महिलाओं के शवों को हलैना सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया है। घटना के बाद भरतपुर कलेक्टर अमित यादव, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा और ष्टस्नाह्र गौरव कपूर आरबीएम अस्पताल पहुंचे, उन्होंने घायलों का हाल-चाल जाना।





## बस ड्राइवर स्पीड में कर रहा था ओवरटेक

भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल में भर्ती घायल बस यात्री सूर्यप्रताप सिंह ने बताया कि बस ड्राइवर की गलती है। बस पीछे थी, आगे ट्रक चल रहा था। ट्रक की स्पीड कम थी और बस की स्पीड तेज थी। बस ड्राइवर ने ओवरटेक करने की कोशिश की। इस दौरान सामने से दूसरा ट्रक आया तो ड्राइवर ने ब्रेक लगाने की जगह साइड में चल रहे ट्रक में बस घुसा दी।

## ज्यादातर यात्रियों के सिर में लगी चोट

घायल हुए यात्रियों को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां पर उनका इलाज जारी है। इलाज के दौरान एक महिला की और मृत्यु हो गई। अधिकतर यात्रियों के सिर में चोट लगी है। मेडिकल स्टाफ ट्रॉमा वार्ड में घायलों के इलाज में जुटा है।

## घायलों को हॉस्पिटल में करवाया भर्ती

हादसे की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घायलों को एंबुलेंस के जरिए हॉस्पिटल लेकर गए। भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल लाए गए घायलों में दो बच्चे भी हैं। इनमें एक बच्चा 2 साल का है जबकि दूसरा एक महीने का है।

## 4 महिलाओं की मौके पर मौत, एक ने हॉस्पिटल में तोड़ा दम

*एक महिला ने आरबीएम अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया. मृतकों की संख्या पांच हों गई है.चार मृत महिलाओं के शव हलैना के सरकारी अस्पताल में और एक महिला का शव आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है. इस हादसे की मुख्य वजह रोडवेज बस चालक की लापरवाही सामने आई है. जिसने 100 की स्पीड से खड़े ट्रक को ओवरटेक करते हुए निकालने की कोशिश की इसी दौरान यह हादसा हो गया. घटना स्थल पर जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक ने पहुंचकर घटना के बारे में जानकारी ली.*

# मंत्री किरोड़ीलाल ने अपनी सरकार को घेरा, सीएम को लिखा- ओल्ड एमआरईसी प्रोजेक्ट में अफसर कर रहे घोटाला

**राजस्थान की राजनीति/जयपुर**

अलग अलग मुद्दों को लेकर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने अब अपनी ही पार्टी की सरकार को चेताया है। डॉ. मीणा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर कहा कि ओल्ड एमआरईसी प्रोजेक्ट में अफसर करोड़ों रुपए का घोटाला कर रहे हैं। जयपुर शहर के वीआईपी इलाके गांधी नगर में यह प्रोजेक्ट शुरू हुआ है। गांधीनगर क्षेत्र में बने पुराने सरकारी भवन को तोड़कर मल्टी स्टोरी इमारतें बनाने का काम शुरू हुआ है। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अपने पत्र में लिखा है कि अफसरों ने मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री और कैबिनेट की मंजूरी के बिना इस प्रोजेक्ट का कार्य शुरू कर दिया है। गांधी नगर स्थित सरकारी भवनों को तोड़कर मल्टीस्टोरी इमारत बनाने का यह प्रोजेक्ट पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में बना था। बाद में प्रदेश में सरकार बदल गई तो यह प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में चला गया। अब प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनी तो इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो गया। कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने पूरे प्रोजेक्ट को लेकर गंभीर सवाल उठाएं हैं। उन्होंने सीएम भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर कहा कि जब इस मामले की फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय ने लौटा दी। वित्त मंत्री और कैबिनेट ने भी इसका अनुमोदन नहीं किया। इसके बावजूद अफसर इस परियोजना को आगे बढ़ा रहे हैं। डॉ. मीणा का कहना है कि वर्तमान में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगी हुई है। इसके बावजूद गांधी नगर में रहने वाले सरकारी अफसरों और कर्मचारियों को भवन खाली करने के नोटिस जारी कर दिए गए। 10 दिन में आवास खाली करने के निर्देश दिए हैं। यह प्रोजेक्ट पीपीपी मॉडल पर चल रहा है। डॉ. मीणा ने इस प्रोजेक्ट में 1146 करोड़ रुपए की हेराफेरी की आशंका जताई है। उनका कहना है कि कुछ अफसर रियल एस्टेट कंस्ट्रक्शन ऑफ राजस्थान लिमिटेड से मिलीभगत करके करोड़ों रुपए की हेराफेरी करने में लगे हैं। उन्होंने इस कार्य को बंद करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में डॉ. मीणा ने यह भी लिखा कि इस प्रोजेक्ट में मास्टर प्लान का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। मास्टर प्लान के अनुसार गांधी नगर क्षेत्र में 18 से 19 मंजिल की इमारतें बनाने का प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद अफसर इस प्रोजेक्ट को आगे बढा रहे हैं। पीपीपी मॉडल पर बनाए जाने वाले इस प्रोजेक्ट के तहत कुल छह टॉवर बनाए जाएंगे। इनमें दो टावर निजी लोगों को बेचे जाएंगे। इस क्षेत्र में कई न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों के आवास भी हैं। सुरक्षा के लिहाज से यह प्रोजेक्ट उचित नहीं है। गांधी नगर क्षेत्र में बहुमंजिला इमारतों के निर्माण पर राजस्थान हाईकोर्ट ने भी नाराजगी जताई है। दो दिन पहले राजस्थान हाईकोर्ट ने बहुमंजिला इमारतों के निर्माण पर रोक लगाने के आदेश जारी किए। जस्टिस गणेश राम मीणा की अदालत ने स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए इन बहुमंजिला इमारतों को मंजूरी देने पर सवाल उठाए हैं। जस्टिस मीणा ने कहा कि इन इमारतों के निर्माण से न्यायाधीशों की सुरक्षा और निजता खतरे में पड़ सकती है और सरकारी भवनों में बिजली, पानी और रोशनी का संकट हो सकता है।





## जालोर मामले में हाईकोर्ट ने अतिक्रमण हटाने पर रोक लगाई

**जालोर** राजस्थान के जालोर में गुरुवार को ओडवाड़ा गांव में हटाए गए अतिक्रमण के मामले में जोधपुर हाईकोर्ट ने बड़ा एक्शन लिया है। इस दौरान जस्टिस विनोद माथुर ने 29 प्रार्थियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए अतिक्रमण हटाने पर अस्थाई रोक लगा दी है। कोर्ट की इस बड़ी कार्रवाई से हजारों लोगों ने राहत के सांस ली है। उधर, कांग्रेस ने मामले की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी है, जो घटनास्थल पर जाकर मामले की जांच कर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जालोर के ओडवाड़ा में गुरुवार को पुलिस प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई को लेकर जमकर बवाल हुआ। बाद में इस मामले से जुड़े हुए 29 प्रार्थियों ने जोधपुर हाई कोर्ट में याचिका पेश की। जिसकी सुनवाई जस्टिस विनोद माथुर ने की। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता श्याम पालीवाल ने बताया कि मामले से जुड़े हुए लोगों के पास 1930 से यहां रहने के प्रमाण हैं। इसके अलावा उनके पास पट्टे हैं।

# तीसरी पारी होगी न्यारी, गो हत्यारों को उल्टा लटकाएँगेः अमित शाह

**राजस्थान की राजनीति/नई दिल्ली**

पीएम मोदी ने चुनाव से पहले इस बार 400 पार का नारा दिया था। कई मंचों से उन्होंने कहा कि तीसरे टर्म में यह सरकार कुठ कड़े फैसले ले सकती है। अब गुरुवार को देश के गृह मंत्री अमित शाह ने पटना की धरती से यह ऐलान किया है कि उनकी सरकार तीसरे कार्यकाल में गोहत्या पर सख्त फैसला लेने वाली है। पटना की एक रैली में बोलते हुए शाह ने कहा कि एनडीए अगर तीसरी बार सत्ता में आई तो वह गोहत्या पर प्रतिबंध लगाएगा और गो तस्करी में शामिल लोगों सहित अपराधियों को उल्टा लटकाकर सजा देगी। यही नहीं शाह ने कहा कि सीतामड़ी में मां सीता के लिए भव्य मंदिर बनवाएगी। पटना में शाह ने मधुबनी और सीतामड़ी की रैलियों में घोषणा की कि ना गाय की तस्करी होने देंगे, ना हत्या। कांग्रेस और राजद प्रमुख लालू प्रसाद पर सीतामड़ी के पुनौरा धाम के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा वहां एक भव्य मंदिर बनाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद पीएफआई जैसे प्रतिबंधित संगठनों को बचाने में इतने व्यस्त हैं, जो भारत को एक इस्लामी राज्य बनाना चाहते हैं। बिहार की धरती से अमित शाह ने सख्त लफ्जों में कहा कि पहले इस क्षेत्र से बड़ी संख्या में गोहत्या के मामले सामने आते थे। शाह ने अपील की आप मोदी को तीसरी बार पीएम बना दो, इन गोहत्यारों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम हम कर देंगे। अमित शाह ने लोगों से कहा कि हमने अयोध्या में राम मंदिर बनाने का काम किया। अब हम लोग उनकी जन्मस्थली सीतामढ़ी में भव्य मंदिर बनाएंगे। शाह ने कहा कि विपक्ष तो राम मंदिर से दूर भागता है। सीता माता का तप, तपस्या, त्याग, समर्पण और उनके अनुरूप कोई मंदिर बना सकता है तो वह मोदी सरकार ही सर सकती है। गोहत्या की बात करें तो दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, राजस्थान और उत्तराखंड में हैं, जहां सभी उम्र के बैलों और बैलों सहित गाय और उसकी संतानों के वध पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। वहीं कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां यह प्रतिबंधित नहीं है। ये राज्य हैं केरल,पश्चिम बंगाल,अन्य पूर्वोत्तर अरुणाचल, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम में कोई प्रतिबंध नहीं है। मणिपुर में, महाराजा ने 1939 में गोहत्या के लिए मुकदमा चलाने का आदेश दिया, लेकिन गोमांस का व्यापक रूप से सेवन किया गया था। गोहत्या पर अलग-अलग राज्यों ने अपने मन से वहां रोक लगाई है या कानून बनाया है। केंद्र सरकार की ओर से कोई ऐसा कानून अभी तक नहीं आया है। यही वजह है कि अमित शाह ने बिहार की धरती से इसका ऐलान किया है। तीसरे टर्म में मोदी सरकार अब इसपर कानून भी ला सकती है। लोकसभा में अगर बहुमत रहा तो यह कानून भी बन सकता है।

## गहलोत बोले-पायलट से स्नेह, 2 साल का था तब से परिचय

# दो-तीन सीटों पर उम्मीदवारों ने जानबूझकर मुझे नहीं बुलाया, सोचा जीता हुआ चुनाव हार जाएंगे

**राजस्थान की राजनीति/जयपुर**

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सचिन पायलट से अनबन से इनकार किया है। उन्होंने कहा- सचिन पायलट के प्रति मेरा व्यक्तिगत रूप से बहुत स्नेह है। मैं और राजेश पायलट जी साथ एमपी बने थे। ये दो साल का था, तब से परिवार में हमारा परिचय है। कोई दुश्मनी होती है क्या, वह तो अलग-अलग अप्रोच होती है। अब अप्रोच में किसने क्या कदम उठाए, उसमें मैं जाना नहीं चाहता। अमेठी में चुनाव प्रचार के दौरान एक इंटरव्यू में गहलोत ने कहा- सचिन पायलट को लेकर बार-बार मुद्दे उठते रहते हैं। लोगों को गलतफहमी है। मुझे बताइए, अगर वह कहीं कैंपेन में जाते हैं, मुझे क्या दिक्कत है। मैं कहीं जाता हूं तो उनको क्या दिक्कत है? मैंने अमेठी से हमारे उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा को हाल ही में कहा था कि यह जो पर्सेप्शन बना दिया गया कि मेरी उनसे बनती नहीं है, यह गलत है। हमें चुनाव जीतना है। आपको सूट करता हो तो आप पायलट को प्रचार के लिए बुलाएं। पायलट को अमेठी में प्रचार के लिए बुलाने के सवाल पर गहलोत ने कहा- कौन मना कर रहा है? हर उम्मीदवार तय करता है कि मेरे यहां



प्रचार के लिए कौन आना चाहिए और कौन नहीं। राजस्थान में मुझे दो-तीन जगह नहीं बुलाया गया। ये आएंगे तो कास्ट इक्वेशन बिगड़ जाएगी। उम्मीदवार ने सोचा- क्षेत्र में जीता हुआ चुनाव हार जाऊंगा। जानबूझकर मुझे नहीं बुलाया। एक-दो केस ऐसे भी हुए, जब मेरा प्रोग्राम बन गया। बाद में उन्होंने मना कर दिया। मैंने माइंड नहीं किया क्योंकि हमें चुनाव जीतना है। अब मैं वहां जाऊं और उनको मेरे जाने से नुकसान हो रहा हो तो ?फिर क्या मतलब? गहलोत ने कहा- हमने जिंदगी बिता दी, 50 साल से राजनीति कर रहा हूं। ये बातें मेरे लिए मायने नहीं रखती हैं। आगे वाले के लिए रखती होंगी। उनको लगती होंगी और किसी को लगती होंगी। मुझे मतलब नहीं है। कांग्रेस का हो, सचिन पायलट का उम्मीदवार हो या किसी और का हो। मेरे ब्लड में है कि वो जीतना चाहिए। जालोर में प्रचार के लिए पायलट को नहीं बुलाने के सवाल पर गहलोत ने कहा- वो वहां नहीं गए तो उनकी गलती है। वह अलग बात है, उनको बयान नहीं देना चाहिए था। कई ऐसे लोग हैं, जिन्होंने मुझे बुलाया नहीं। अब मैं चुनाव से दो दिन पहले बयान दूंगा तो नुकसान होगा। हमारे जयपुर ग्रामीण से अनिल चोपड़ा उम्मीदवार हैं, नौजवान हैं। मैं तो कभी उनसे मिला नहीं। हमारी पार्टी में डेमोक्रेसी है। टिकट देती है और हम उसे जितवाते हैं। गहलोत ने कहा- जयपुर ग्रामीण से कांग्रेस उम्मीदवार अनिल चोपड़ा की मेरे स्टाफ से बात हुई, वो मेरी सभा करवाना चाहते थे। उन्होंने फिर आगे सूचना नहीं दी, मुझे नहीं बुलाया। उन्होंने फिर से सोचा होगा कि मैं आऊंगा तो उनका नुकसान हो जाएगा। जातिगत समीकरण से मेरे जाने से उन्हें नुकसान हो रहा होगा। अब मैं गुस्से में वोटिंग से दो दिन पहले स्टेटमेंट दूं कि अनिल चोपड़ा ने मुझे बुलाया नहीं। मैं जाना चाहता था। जातियों का समीकरण बिगड़ता। वहां पर जाति विशेष उसके खिलाफ होती।

## आजादी के बाद यह पहला ऐसा चुनाव...

# इंडी गठबंधन के नेताओं ने भाजपा पर बोला हमला, खरगे बोले- 200 का आंकड़ा भी पार नहीं करेगी बीजेपी

**राजस्थान की राजनीति/मुंबई।**

मुंबई में शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की रैली में विपक्ष के नेताओं ने मोदी सरकार पर हमला बोला। विपक्षी दलों ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान बचाने को बचाने के लिए मोदी सरकार को हटाना होगा। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस बार भाजपा 200 का आंकड़ा पार नहीं कर सकेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने कहा कि यह लोकतंत्र को बचाने के लिए सभी के लिए एक महत्वपूर्ण समय है। शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने भी पीएम मोदी पर हमला बोला। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और राजद नेता तेजस्वी यादव ने वीडियो संदेश के जरिये आईएनडीआईए को वोट देने की अपील की। मुंबई में 20 मई को होने वाले चुनाव से पहले आयोजित विपक्षी गठबंधन की संयुक्त रैली में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अंडरकरंट है और इसलिए पीएम मोदी डरे हुए हैं। भाजपा को इस बार 200 सीटें भी नहीं मिलेंगी। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी रोजगार पैदा करने और महंगाई पर काबू पाने पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नरेन्द्र मोदी की नीति है, यदि विरोधियों को हरा नहीं सकते, तो उन्हें गिरफ्तार कर लो। उन्होंने मुझे जेल में डालने और लोकतंत्र की हत्या करने की कोशिश की। उन्हें लगा कि मैं इस्तीफा दे दूंगा, लेकिन मैंने इस्तीफा नहीं दिया। मुझे दो जून को वापस जेल जाना है। मेरी आजादी आपके हाथों में है। अगर आप आईएनडीआईए को वोट देंगे तो मैं आजाद रहूंगा। अगर मोदीजी सत्ता में आए तो उद्धवजी, शरद पवार सभी मेरी तरह जेल में होंगे। हमें लोकतंत्र को बचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मोदीजी एक राष्ट्र एक नेता के खतरनाक मिशन पर हैं। वह भाजपा नेताओं को भी एक-एक करके निपटा रहे हैं। उनके अगले निशाने पर योगी आदित्यनाथ हैं। उन्होंने पार्टी में नियम बनाया कि भाजपा के सभी नेता 75 साल की उम्र में रिटायर हो जाएंगे। वह स्वयं जल्द ही 75 वर्ष के हो जाएंगे

## गांवों के डाकघरों में स्पीड पोस्ट रजिस्ट्री डाक पार्सल बुकिंग कार्य शुरू

राजस्थान की राजनीति

**दौसा (विष्णु आशीर्वाद)।** भारतीय डाक विभाग की अनुठी पहल गांवों में संचालित शाखा डाकघरों में भी स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री,पार्षल बुकिंग होना शुरू हो गया है। जयपुर देहात मण्डल के डाक अधीक्षक जी डी गुप्ता ने बताया की डाकघरों को जब से आन लाईन कीया था। गांवों में संचालित शाखा डाकघरों में रजिस्ट्री बुकिंग बंद हो गई थी। ग्रामीणों को स्पीड पोस्ट रजिस्ट्री पार्षल बुकिंग कार्य हेतु अपने गांव से दूर उप डाकघर व प्रधान डाकघर में जाकर ही रजिस्ट्री, पार्षल, स्पीड पोस्ट आदि बुक करवानी पड़ती थी। अब गांवों में संचालित शाखा डाकघरों को भी आन लाईन कर दिया गया है। शाखा डाकपालों को एक डिवाइस व प्रींटर उपलब्ध करवा दिया गया है। जिससे ग्रामीणों को अपने ही गांव के शाखा डाकघरों से स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री, पार्षल आदि बूक करवा सकते हैं। अब उपभोक्ताओं को रजिस्ट्री, डाक पार्सल, स्पीड पोस्ट आदि बुकिंग कार्य हेतु उप डाकघर व प्रधान डाकघर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अब गांवों में रहने वाले लोग घर बैठे ही अपने गांव में संचालित शाखा डाकघर में जाकर स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री डाक पार्षल आदि बुकिंग करवा सकते हैं। ग्रामीणों को अपनी डाक को देश विदेश में भेजने के लिए गांव में संचालित शाखा डाकघर में स्पीड पोस्ट डाक पार्सल रजिस्ट्री बुकिंग करवा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित शाखा डाकघरों के कर्मचारी उपभोक्ताओं के घर पर जाकर भी डाक बुकिंग कार्य कर सकता है।

### लोकसभा आम चुनाव 2024

## मतगणना हेतु गठित किये गये मतगणना दलों का प्रथम प्रशिक्षण 25 मई एवं द्वितीय प्रशिक्षण 03 जून को

राजस्थान की राजनीति

**दौसा (विष्णु आशीर्वाद)।** लोकसभा आम चुनाव 2024 मतगणना हेतु गठित किये गये मतगणना दलों का प्रथम प्रशिक्षण 25 मई एवं द्वितीय प्रशिक्षण 03 जून को श्री रामकरण जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालसोट रोड दौसा में निर्धारित किया गया हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि मतगणना हेतु प्रथम प्रशिक्षण में गठित ईवीएम मतगणना दल, डाक मतपत्र मतगणना दल एवं ईटीपीबीएस मतगणना दल का प्रथम प्रशिक्षण 25 मई को प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक श्री रामकरण जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालसोट रोड दौसा में किया जावेगा। उन्होंने बताया कि मतगणना हेतु गठित दलों का द्वितीय प्रशिक्षण 03 जून 2024 को दोपहर 12.30 बजे सांय 5 बजे तक श्री रामकरण जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालसोट रोड दौसा में किया जावेगा।

## भांडारेज सीएचसी को मिले मेडिकल उपकरण, मरीजों को मिलेंगी और सुविधाएं

राजस्थान की राजनीति

**दौसा (विष्णु आशीर्वाद)।** दौसा जिले की भांडारेज सीएचसी को क्यूब रूट फाउंडेशन की ओर से करीब डेढ लाख की लागत के चिकित्सकीय उपकरण और अन्य संसाधन प्रदान किए गए हैं। इनके मिलने से सीएचसी पर उपचार के लिए आने वाले मरीजों को उपचार में सुविधा मिल सकेगी। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) डॉ. महेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि सीएचसी पर उपकरणों की आवश्यकता थी। इस संबंध में क्यूब रूट फाउंडेशन को प्रेरित किया गया तो उन्होंने सीएचसी को रेडियंट वार्मर, दवाई ट्रे, व्हील चेयर्स, अटेंडेंट टेबल, मरीजों को बैठने के लिए बैंच आदि उपलब्ध करवाए। इसके अलावा फाउंडेशन की ओर से टिनशेड भी लगवाया गया है, जिसका लाभ भीषण गर्मी में मरीजों को मिल सकेगा। डॉ. गुर्जर ने बताया कि इस कार्य में दौसा बीसीएमओ डॉ. अमित रॉय, डॉ अंजना भार्गव, डॉ किशनलाल, डॉ. दीपीका, नर्सिंग ऑफिसर धीरज बैंसला आदि का भी सहयोग रहा।

### खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

## 13700 लीटर घी पकड़ा, सड़ांध मार रहे 854 कार्टन भी बरामद, 400 रुपए लीटर बेच रहे थे

राजस्थान की राजनीति

**जयपुर।** होटलों और रेस्टोरेंट्स पर कार्रवाई के बीच खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार को विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में कार्रवाई की। रोड नंबर 9 पर चल रही एक फैक्ट्री में कार्रवाई कर 13700 लीटर घी पकड़ा है। गुजरात के दमन से 350 रुपए लीटर में खरीदकर जयपुर में श्री सरस ब्रांड के नाम से 400 रुपए में बेच रहे थे। यह घी प्रदेशभर में भेजा रहा था, मगर शेखावाटी में सबसे ज्यादा खपत ?थी। इसके अलावा 854 कार्टन और बरामद किए गए हैं, जो सड़ांध मार रहे थे। अभी मिसब्रांड के तौर पर इस घी को जब्त किया गया है और नकली की जांच के लिए सैंपल लेकर भिजवाए गए हैं। वहीं मामले में चौंकाने वाली बात सामने यह आई है कि सरस डेयरी ने इसी ब्रांड के खिलाफ दस वर्ष पहले मामला दर्ज कराया था और अब तक यह कोर्ट में विचाराधीन है। वजह यह कि पकड़ा गया ब्रांड श्री सरस के नाम से बेचा जा रहा है और इस नाम को रजिस्टर्ड कराया हुआ है। मामले को लेकर आरसीडीएफ ने आपत्ति जताई थी और मालिक के खिलाफ केस भी किया था।

### ऐसे कमाए करोड़ों रुपए

अधिकारियों ने बताया कि यूं तो पिछले दस साल से इस ब्रांड के नाम से घी बेचा जा रहा है, लेकिन वर्ष 2018 से दमन से आ रहे घी को पैक कर बेचा जा रहा है। एक लीटर 350 रुपए में खरीदा जा रहा है और 400 रुपए में बेचा जा रहा है। हर महीने करीब 13 हजार लीटर बेचा जा रहा है। 2018 से अब तक 78 महीनों के भीतर संचालक 5 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुका है।

### आधा लीटर, एक लीटर की पैकिंग में घी

खाद्य सुरक्षा विभाग टीम को सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा के नेतृत्व में टीम विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया रोड नंबर 9 स्थित महेन्द्र जैन की फैक्ट्री पर पहुंची। यहां अंदर जाते ही टीम को सरस लिखे हुए हजारों कार्टन मिले। इन्हें खोलने पर इनमें आधा लीटर, एक लीटर के पैकेट मिले। टीम ने जब इन पैकेट को देखा और खोला तो पता चला कि सरस की ओर से बनाए ही नहीं गए और ना ही भेजे गए। ध्यान से देखने पर सामने आया कि पैकेट पर श्री सरस लिखा है, लेकिन श्री शब्द को काफी छोटा किया हुआ है और सरस शब्द बड़ा लिखा है। इसी का फायदा उठाते हुए इस घी को बेचा जा रहा है।

### अधिकारी बोले- इतने कम दाम मे 1 लीटर घी...संभव नहीं

टीम को मौके पर सरस के बंद पैकेट के अलावा 854 ऐसे कार्टन भी मिले जिनमें भरे घी से बदबू आ रही थी। यह पूरा घी सप्लाई होने वाला था यानी घटिया घी की तो पुष्टि हुई लेकिन अब जांच के बाद ही यह पता चलेगा कि ये लोग इस घी में क्या मिलाते थे। मामले में फूड विभाग के अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा और सरस एमडी मनीष फौजदार ने दावा किया कि जो भी घी पकड़ा है वह निश्चित रूप से नकली और घटिया है। क्योंकि जिस कीमत पर यह बेचा जा रहा है, वह असली और सही होना संभव ही नहीं है।

÷हमने श्री सरस पर कॉपीराइट के तहत केस किया हुआ है। अभी मामला कोर्ट में विचाराधीन है, लेकिन सरस के नाम की मिसब्रांडिंग की जा रही है।÷

**-पंकज भूतड़ा, जीएम, आरसीडीएफ**

### ग्रीष्मकल अवकाश का पहले दिन ही उड़ी धज्जियां

# कलेक्ट्रेट से 50 मीटर की दूरी पर ही संचालित मिला विद्यालय

राजस्थान की राजनीति

**दौसा (विष्णु आशीर्वाद)।** शिक्षा विभाग के आदेशों की किस तरह निजी शिक्षण संस्था उड़ा रही है जिसका नजारा दौसा जिला मुख्यालय पर देखने को मिला। जिला कलेक्ट्रेट के 50 मीटर दूरी पर स्थित एक निजी शिक्षण संस्था के छात्र-छात्राएं ग्रीष्मकालीन अवकाश होने के बावजूद विधालय बुलाकर संचालित किया जा रहा है। जबकि शिक्षा विभाग के द्वारा 17 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा की गई है। इस दरमियान कोई भी निजी शिक्षण संस्था या सरकारी विद्यालय संचालित पाया गया तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। लेकिन जिला मुख्यालय पर ही शिक्षा विभाग अपने आदेशों की पालना नहीं कर पा रहा है ऐसे में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। जबकि निजी शिक्षण संस्था के संगठनों के द्वारा भी ग्रीष्मकालीन अवकाश में विद्यालय नहीं खोलने के आदेश सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल किया गया। लेकिन उनमें से ही निजी शिक्षण संस्था शिक्षा विभाग के आदेश को ताक में रख दिया और जमकर धड़ल्ले से आदेशों के धज्जिया उड़ाकर कर ग्रीष्म कालीन अवकाश में स्कूल संचालित किया जा रहा है। जबकि शिक्षा विभाग की मिली भगत से जिले में बड़े पैमाने में काफी समय से अटैचमेंट का खेल भी बदसूरत जारी है जिसके वजह से कई छात्रों के भविष्य खतरे में पड़े हुए हैं तो वहीं कई अभिभावकों को भी जमकर लूटा जा रहा है। सुनने में तो यह भी आया है कि ग्रीष्म कालीन अवकाश में चल रहे निजी शिक्षण संस्था के परिजन शिक्षा विभाग में एक ऊंचे पद पर भी काबिज है जो अपने ही विभाग के आदेशों की पालना नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग और उनके जिम्मेदारों की भूमिका तो सदिंग्ध होने की वजह से उनके पर भी कई सवाल भी खड़े करते हैं।

# स्वास्थ्य विभाग जयपुर की टीम ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

### जिला अस्पताल के 12 चिकित्सक 4 नर्सिंगकर्मी मिले नदारद

राजस्थान की राजनीति

**दौसा (विष्णु आशीर्वाद)।** दौसा जिला अस्पताल की लगातार मिल रही खामियों का निरीक्षण करने को लेकर जयपुर स्वास्थ्य विभाग की टीम में संयुक्त आयुक्त खाद्य एस एन धौलपुरिया, नोडल ऑफिसर स्टेट रामबाबू जायसवाल ,डिप्टी डायरेक्टर यादुराज सिंह नाथावल ने दौसा के रामकरण जोशी जिला चिकित्सालय का औचक निरिक्षण किया। टीम के सदस्य 8:20 पर जिला अस्पताल पहुंची। टीम के द्वारा पीएमओ के चेंबर में उपस्थिति रजिस्टर को अपने कब्जे में लिया जिन में 12 राजपत्रित अधिकारी व 4 अराजपत्रित अधिकारी नदारत मिले। जिस पर आई टीम के सदस्यों ने गहरी नाराज की जलाई। टीम के द्वारा लैबोरेट्री, ब्लड बैंक, सर्जिकल वार्ड, जिरियाट्रिक वार्ड, मातृ एवं शिशु चिकित्सा इकाई, ट्रॉमा इकाई, सीटी स्कैन कक्ष का निरीक्षण किया गया। इस दौरान टीम के सदस्यों ने अधिकतर लोगों के द्वारा एप्रिन नहीं पहनने पर गहरी नाराजगी जताई। साथ ट्रॉमा इकाई में डस्टबिन का सही तरीके से निस्तारण नहीं करने पर फटकार लगाई। इमर्जेंसी इकाई में चिकित्सकों के लिए टूटी कुर्सी की जगह सही कुर्सी लगाने के निर्देश प्रदान किया। महिला चिकित्सा इकाई के पोर्च में चिकित्सकों की गाड़ियां खड़ी रहने पर गार्ड को फटकार लगाई और कहां की चाहे कोई भी चिकित्सक हो पोर्च बिल्कुल खाली रहना चाहिए। ताकि इमरजेंसी में आने वाले मरीज को किसी भी तरीके की समस्या ना हो उसे सही समय इलाज मिले। टीम ने बताया कि पिछले निरीक्षण के दौरान जो खामिया मिली थी। उनमें काफी सुधार हुआ है जिसके लिए पीएमओ डॉक्टर सुभाष बिलोनिया की पीठ थपथपाई और तारीफ की। लेकिन कुछ खामियां मिलने पर सुधार के आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए हैं और उनको भी दूरस्थ करने के पीएमओ को निर्देश प्रदान किया।

# संयुक्त निदेशक उद्यान (मुख्यालय) जयपुर डॉ अतर सिंह मीना ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

राजस्थान की राजनीति

**दौसा (विष्णु आशीर्वाद)।** जिले के प्रभारी अधिकारी संयुक्त निदेशक उद्यान (मुख्यालय) पंत कृषि भवन जयपुर डॉ अतर सिंह मीना ने शुक्रवार को कृषि विभाग के लालसोट रोड़ स्थित संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा, सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा, उपनिदेशक उद्यान दौसा कार्यालय का औचक निरीक्षण किया । जिले के कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजना की प्रगति की समीक्षा की गई । आगामी खरीफ सीजन में जिले के किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए सभी कृषि निरीक्षकों को अधिक से अधिक बीज , उर्वरक , कीटनाशी नमूने आहरित करने के निर्देश प्रदान किए गए । आगामी वित्तीय वर्ष में जिले के अधिक से अधिक किसानों को कृषि एवं उद्यान की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश प्रदान किए गए। मीना ने फील्ड भ्रमण कर रामसिंह पुरा गांव में उद्यान विभाग के माध्यम से बनाए जा रहे सामुदायिक फार्म पौंड का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। जिले के सभी अधिकारियों को नियमित फील्ड भ्रमण कर किसान सेवा केंद्रो का औचक निरीक्षण करने के निर्देश प्रदान किए गए । किसानों को आगामी खरीफ सीजन में फसलों में लगने वाले कीट - रोगों के प्रकोप से बचाव की सलाह देने के निर्देश दिए गए , खरीफ फसलों में सफेद लट नियंत्रण की रोकथाम के लिए किसान संगोष्ठी आयोजित कर किसानों को तकनीकी सलाह देने के निर्देश प्रदान किए गए।इस अवसर पर संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा डॉ प्रदीप कुमार अग्रवाल , उपनिदेशक उद्यान दौसा डॉ हेमराज मीणा, उपनिवेशन कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) दौसा नवल किशोर मीणा , सहायक निदेशक कृषि (मुख्यालय) दौसा सुरज्ञान सिंह गुर्जर, कृषि अधिकारी दौसा धर्मसिंह गुर्जर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# केएम वाटिका में पक्षियों के लिए लगाये परिण्डे

राजस्थान की राजनीति

**दौसा (विष्णु आशीर्वाद)।** लोकसभा दौसा की पूर्व सांसद प्रत्याशी सविता मीणा एवं महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रुकमणी गुप्ता के नेतृत्व में केएम वाटिका दौसा में पक्षियों को पीने के लिए पानी के परिण्डे लगाए द्य जिलाध्यक्ष रुकमणी गुप्ता ने कहा की बहुत तेज गर्मी पड़ रही हे इंसान तो अपनी हर जरूरत पूरी कर सकते हे लेकिन ये बेजुबान पक्षी परबस हे गरमी का आलम देखिए थोड़ी थोड़ी देर में पानी पीने की इच्छा होती हे तो आज महिला जिला कांग्रेस कमेटी दौसा की ओर से पक्षियों के लिए पानी के परिण्डे लगाए गए ताकि पक्षियों को राहत मिल सके द्य इस अवसर महिला जिला कांग्रेस दौसा की प्रवक्ता जलजित मीणा, राजेश देवी, प्रियंका मीणा ,सुमन देवी, सावित्री देवी, गुड्डी देवी, लाली देवी, रेणु कटारिया ,जमना देवी, तारा शर्मा, गीता बैरवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### जयपुर के ज्वेलर की हत्या की थी प्लानिंग

## हिस्ट्रीशीटर ने धमकाया- अबकी बार नहीं बचेगा; पहले भी दो बार करवा चुका फायरिंग

राजस्थान की राजनीति

**जयपुर।** जयपुर पुलिस की गिरफ्त में आए 1.25 लाख रुपए का इनामी हिस्ट्रीशीटर राकेश यादव (32) को शुक्रवार शाम एसएमएस अस्पताल से छुट्टी मिल गई। पुलिस से भागते समय उसके पैर में गोली लगी थी। जांच में सामने आया कि आरोपी हिस्ट्रीशीटर ने जयपुर के एक ज्वेलर को परेशान कर रखा था। आरोपी दो बार ज्वेलर के घर और ऑफिस पर फायरिंग करवा चुका था। वहीं, अब ज्वेलर की हत्या की प्लानिंग की जा रही थी।

ज्वेलर को 3 मई 2024 को भी जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसके बाद 9 मई को फिर कॉल कर धमकाया- तुझे 3 दिन का समय दे रहा हूं, रुपए दे देना। वरना पहले 2 बार बच गया है, अबकी बार नहीं बचेगा। इसके बाद पुलिस ने 13 मई बदमाश को डिब्रूगढ़ (असम) से गिरफ्तार कर लिया।

एसएचओ (विद्याधर नगर) राकेश ख्यालिया ने बताया- पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से घायल हुए श्रीमाधोपुर थाने के हिस्ट्रीशीटर राकेश यादव उर्फ राकेश लिसाडिया को शुक्रवार शाम स्स्र हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई है। विद्याधर नगर थाने की स्पेशल टीम बदमाश राकेश यादव से पूछताछ करने में जुट गई है। 1.25 लाख का इनाम हिस्ट्रीशीटर राकेश तीन साल पहले जमानत पर छूटने के बाद फरार था। आरोपी फरारी के दौरान नेपाल, कोलकाता, असम सहित राजस्थान में भी अलग-अलग ठिकानों पर छिपता रहा था। पिछले तीन सालों में फरारी के दौरान हिस्ट्रीशीटर राकेश ने कई बिजनेसमैन को धमकाकर रंगदारी वसूली है। रंगदारी नहीं देने पर अपने गुर्गों से फायरिंग करवाने के साथ प्लानिंग कर हत्या तक करवाई।

### जयपुर के एक ज्वेलर को तीसरी बार टारगेट बनाया

आरोपी हिस्ट्रीशीटर पिछले एक साल में विद्याधर नगर निवासी एक ज्वेलर को तीन बार धमका चुका है। दो बार रंगदारी नहीं देने पर आरोपी राकेश ने ज्वेलर के घर फायरिंग करवा दी थी। इसके बाद फिर 1 करोड़ की रंगदारी की मांगी। अगर इस बार पुलिस राकेश को समय पर नहीं पकड़ती तो ज्वेलर की हत्या हो सकती थी। आगे पढ़िए ज्वेलर को कब-कब धमकी दी गई...

### पहली बार धमकी दी, फिर डराने के लिए बेटे को मरवाई गोली

जुलाई-2023 में हिस्ट्रीशीटर राकेश यादव ने ज्वेलर को कॉल कर 1 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी। धमकाने के बाद भी ज्वेलर ने रुपए नहीं दिए। राकेश ने गुर्गों को भेजकर ज्वेलर के बेटे को गोली मरवा दी। 30 जुलाई 2023 की शाम करीब 6:30 बजे ज्वेलर का बेटा घर पर परिवार के साथ था। दो लड़कों ने बेल बजाकर फ्लेट का गेट खुलवाया था। गेट खोलते ही नाम पूछकर गुर्गों ने धमकाया था- राकेश लसाडिया के पैसे कब देगा। फिर जेब से पिस्तौल निकालकर जांघ में गोली मार दी थी।

### दूसरी बार- ज्वेलर के ऑफिस पर करवाई फायरिंग

बेटे को गोली मरवाने के करीब 7-8 महीने बाद हिस्ट्रीशीटर राकेश लिसाडिया ने दोबारा ज्वेलर को टारगेट किया था। ज्वेलर को कॉल कर 1 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी थी। बार-बार धमकाने के बाद भी ज्वेलर ने रंगदारी नहीं दी थी। इसके बाद श्री माधोपुर में स्थित ज्वेलर के ऑफिस पर गुर्गों को भेजकर हिस्ट्रीशीटर राकेश ने फायरिंग करवाई थी। हालांकि, पुलिस ने फायरिंग करने वाले दोनों बदमाशों को पकड़ लिया था।

### तीसरी बार - रंगदारी नहीं देने पर थी हत्या की प्लानिंग

हिस्ट्रीशीटर राकेश से पूछताछ में सामने आया है कि 3 मई की रात ज्वेलर को फिर से इंटरनेट कॉल कर 1 करोड़ की रंगदारी मांगी थी। उसी रात तीन बार कॉल कर ज्वेलर को रंगदारी देने के लिए धमकाया था। धमकी दी- रुपए नहीं दिए तो इस बार जान से जाएगा। 9 मई की रात भी रंगदारी के लिए 5 बार कॉल कर धमकाया गया था। कहा- तुझे 3 दिन का समय दे रहा हूं, रुपए दे देना। वरना पहले 2 बार बच गया है, अबकी बार नहीं बचेगा। पुलिस जांच में सामने आया है कि रंगदारी नहीं देने पर बदमाश राकेश ने ज्वेलर की हत्या की प्लानिंग कर रखी थी। ज्वेलर को कहा था- इस बार गोली कहीं ओर नहीं सीधे तेरे सीने में लगेगी। पुलिस टीम ने बदमाश राकेश को पकड़ लिया, नहीं तो ज्वेलर की हत्या भी हो सकती थी।

### आपसी सहमति से 10 दिन में तलाक

## पति ने पत्नी को भरण पोषण के एक मुश्त दिए 3 करोड़ रुपए

राजस्थान की राजनीति

**जयपुर।** अमूमन देखा जाता है कि अदालतों में केस सालों साल चलते हैं। फैमली विवाद जैसे, तलाक, भरण-पोषण से जुड़े मामले भी सालों में ही निस्तारित होते हैं। जिन मामलों में सहमति से तलाक मांगा जाता हैं। उन मामलों में भी महीनों लग जाते हैं।

लेकिन जयपुर की फैमली कोर्ट-3 ने करीब 14 साल पुरानी शादी 10 दिन में पति पत्नी की आपसी रजामंदी के चलते समाप्त कर दी। जज़ अजय शुक्ला ने बैंगलुरू निवासी पति व जयपुर निवासी पत्नी की 14 साल पुरानी शादी का तलाक 10 दिन की सुनवाई के बाद मंजूर कर लिया।

कोर्ट में पति-पत्नी ने 18 अप्रेल को तलाक की अर्जी लगाई थी। यह अर्जी रिपोर्ट होकर फैमली कोर्ट-3 में सुनवाई के लिए 30 अप्रेल को पहुंची। जहां जज़ अजय शुक्ला ने 10 दिन में केस को फास्ट ट्रेक तरीके से डिसाइड करते हुए 9 अप्रेल को तलाक मंजूर कर दोनों की आपसी सहमति से तलाक की डिक्री पारित कर दी।

### पति ने भरण-पोषण के एक मुश्त 3 करोड़ रुपए दिए

मामले से जुड़े अधिवक्ता सुनील शर्मा ने बताया कि तलाक की डिक्री होने पर निजी कंपनी में कार्यरत पति ने अपनी पत्नी व बेटी को भी भरण-पोषण के लिए एकमुश्त स्थाई भरण-पोषण राशि 3 करोड़ रुपए दी हैं। इसमें से दो करोड़ रुपए पत्नी को दिए हैं और एक करोड़ रुपए 8 साल की बेटी को दिए हैं। दोनों ने हिन्दू विवाह अधिनियम के तहत न्यायालय में आपसी सहमति से तलाक लेने के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया था। इसमें कहा था कि उनकी शादी हिन्दू रीति रिवाज से 2 अप्रैल 2010 को हुई थी और इससे उनके एक बेटी भी हुई। लेकिन विवाह के बाद से उनके बीच वैचारिक मतभेद शुरू हो गए और उनका भविष्य में साथ रहना संभव नहीं हुआ। जिसके चलते वे दोनों एक दूसरे से 30 मई 2022 से अलग-अलग रहने लगे। इस दौरान उनके एक साथ रहने के भी प्रयास किए गए। लेकिन दोनों का ही एक साथ रहना संभव नहीं हो पाया। जिस पर उन्होंने आपसी सहमति के आधार पर तलाक लेने के लिए न्यायालय में प्रार्थना पत्र दायर किया था। वहीं एक-दूसरे के खिलाफ की गई सभी कार्रवाई को भी वापस ले ली।

## शादी में लड़कियां छेड़ने का विरोध करने पर की मारपीट, 12 से अधिक लोग घायल

**खैरथल**

खैरथल में एक शादी समारोह में लड़की को छेड़ने की बात को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। जिसके बाद बदमाशों ने लाठी डंडों व कुल्हाड़ी से दूसरे पक्ष पर हमला कर दिया। जिससे 12 से अधिक लोग घायल हो गए।

घटना ततारपुर चौराहे के पास शुक्रवार अल सुबह 4 बजे की है। घायल गिरधारी जाट ने बताया कि बढली की ढाणी में मेरे सादू जलसिंह जाट पुत्र हनुमान सिंह की दो बेटियों की शादी थी। जिनकी एक बारात ततारपुर से ही, बानसूर के रामपुर से आई थी। सुबह 4 बजे फेरे होने के बाद सादू के भांजे अशोक और उसके कुछ दोस्त वहां पर बारात में आई लड़कियों को छेड़ रहे थे। जिसका विरोध करने पर युवकों ने उन पर लाठी, डंडों और कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे 12 से अधिक लोग घायल हो गए। इस दौरान बदमाश हथियार को हवा में लहरा कर उनको डरा रहे थे। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी ततारपुर पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां तीन लोगों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज कर अलवर रेफर कर दिया। वहीं हमले के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हमले में गिरधारी जाट, कैलाश जाट, राम स्वरूप जाट की हालत गंभीर हैं। थाना प्रभारी अंकेश ने बताया कि पीड़ित की ओर से मामले को दर्ज करवाने के लिए कहा गया है मामला दर्ज कर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई, गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

**दौसा**

दौसा जिले की सिकंदरा थाना पुलिस ने शुक्रवार को अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया है। थाना इंचार्ज महावीरसिंह ने बताया कि मुखबीर की सूचना पर सादा वर्दी में पुलिसकर्मियों ने सिकंदरा चौराहे पर निगरानी की। इस दौरान पुलिया के पास बैठा युवक पुलिस की मौजूदगी को भांपकर भागने लगा तो पीछाकर उसे दबोच लिया। जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास एक किलो 300 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला। जिसके बारे में वह संतोषप्रद जवाब नहीं दे सका। मामले में पुलिस ने बसवा थाना क्षेत्र के एचेंडी निवासी मुकेश मीणा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे एक बाइक जब्त की है। उसके पास मिले गांजा को वह कहां सप्लाई करने वाला था और कहां से लेकर आया था। इस सम्बंध में पुलिस उससे गहन पूछताछ में जुटी है। आरोपी की गिरफ्तारी में सिकंदरा पुलिस के साथ डीएसटी की भी विशेष भूमिका रही। बता दें कि जिलेभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी धड़ल्ले से हो रही है, लेकिन कार्रवाई के बावजूद अंकुश नहीं लग रहा है।

## मोपेड सवार दंपती को डंपर ने कुचला, पति-पत्नी ने मौके पर ही दम तोड़ा

**लाडनूं**

पत्नी उसके मायके लेकर जा रहे पति की मोपेड को डंपर ने टक्कर मार दी। डंपर दंपती को कुचलते हुए निकल गया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। घटना नागौर जिले के लाडनूं में मीठड़ी बाइपास के करीब शुक्रवार दोपहर 2 बजे के करीब हुई। मीठड़ी चौकी के पुलिसकर्मी विजेंद्र बराला ने बताया- मकराना (नागौर) की तन में स्थित रामपुरा गांव का रहने वाला सुवालाल स्वामी (38) शुक्रवार दोपहर अपनी पत्नी रमा स्वामी (34) को लेकर रामगढ़ शेखावाटी स्थित ससुराल जा रहा था। वह जसवंतगढ़ थाना इलाके में सादा की ढाणी में अपने रिश्तेदार के यहां था। सादा की ढाणी से वह मोपेड पर पत्नी को लेकर रामगढ़ शेखावाटी जा रहा था। इस दौरान मीठड़ी बाइपास पर सामने से आ रहे डंपर ने मोपेड को चपेट में ले लिया। हादसे में सुवालाल और रमा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। घटना को लेकर मृतक सुवालाल के भाई जुगल किशोर स्वामी ने पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने दोनों शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

## दुकान में चोरी के आरोपियों का नहीं लगा सुराग, नई धानमंडी के पास बनी दुकानों में चोरी के बाद लोगों में आक्रोश

**श्रीगंगानगर**

श्रीगंगानगर शहर की नई धानमंडी के पास बनी 2 दुकानों को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने इन दुकानों में रखे करीब साढ़े 5 हजार रुपए और करीब 30 चांदी के सिक्के चुरा लिए। वारदात 5 दिन पहले हुई, लेकिन दुकानदारों ने शुरुआती तौर पर अपने स्तर पर चोरों की तलाश शुरू की। जब आरोपी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई तो गुरुवार रात मामला दर्ज करवा दिया। जांच कोतवाली थाने के एएसआई सोमदास को दी गई है। पीड़ित विकास मंगल की ओर से दर्ज मामले में कहा गया है कि उसकी दुकान नई धानमंडी के पास के इलाके में है। रात के समय इस इलाके में सन्नाटा रहता है। चोरों ने रात को किसी समय उसकी दुकान और पास की दुकान को निशाना बनाया। आरोपियों ने उसकी दुकान के ताले तोड़कर 30 चांदी के सिक्के चुरा लिए और पास की दुकान से करीब साढ़े 5 हजार रुपए चोरी कर कर लिए। पुलिस ने इस मामले में आसपास के लोगों से जानकारियां जुटानी शुरू की है। हालांकि अब तक कोई सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा है। जांच अधिकारी एसआई सोमदास ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित दुकानदार के बयान लिए गए हैं। उससे मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

# जैन दानबाड़ी के पास जमीन सीमांकन दौरान हंगामा, समाज ने बिना परमिशन दीवार तोड़ने का लगाया आरोप

## पुलिस व समाज के लोगों के बीच धक्का-मुक्की

**कोटा**

कोटा के जैन दानबाड़ी के पास जमीन सीमांकन दौरान हंगामा हो गया। जैन समाज के लोगों ने परमिशन के बिना जैन दानबाड़ी के पास वाली दीवार तोड़ने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की और सीमांकन का विरोध जताया। इस दौरान पुलिसकर्मियों से जमकर बहस हो गई। पुलिसकर्मियों ने विरोध करने वालों को हटाया तो धक्का-मुक्की हो गई। जैन समाज के कुछ लोग नीचे गिर गए। पुलिसकर्मियों ने उन्हें दूर हटाया। जैन दानबाड़ी के पास 0.93 हेक्टेयर जमीन के कब्जे को लेकर जैन समाज और विकास बाटला के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। मामला कोर्ट में है। समाज के लोग कुछ महीनों से टेंट लगाकर धरने पर बैठे है। सरकारी आदेश से पुलिस व प्रशासन के अधिकारी आज जमीन का सीमांकन करवाने पहुंचे थे, जिसका समाज के लोगों ने विरोध किया। जैन समाज से जुड़े सुरेश दासोत ने बताया कि नाले तक जमीन हमारी है। दो महीने से धरना चल रहा था। बिना किसी परमिशन के पहले से बनी दीवार को तोड़ दिया

जबकि कोर्ट व तहसीलदार के आदेश में दीवार तोड़ने के बारे में नहीं लिखा। तहसीलदार के 15 मई के आदेश में लिखा है कि कोई भी कार्रवाई करने से पहले पास के खातेदारों से भी पूछा जाएं। हम पास वाले खातेदार है। कार्रवाई से पहले हमसे पूछा नहीं गया। नायब तहसीलदार फूल सिंह ने बताया कि तहसीलदार के आदेश पर जमीन का सीमाज्ञान किया है। इसमें पुलिस की इमदाद ली है। जैन समाज ने सीमाज्ञान का विरोध जताया था। पुलिस की मदद से हमने सीमाज्ञान कर लिया। डीएसपी राजेश टेलर ने बताया कि जैन दानबाड़ी व दूसरे पक्ष के बीच जमीन विवाद था। कोर्ट के आदेश से एसपी के निर्देश पर मौके पर जमीन पैमाइश के लिए आए थे। ताकि किसी तरह की कोई दुर्घटना न घटे और शांति बनी रहे। दोनों पक्षों के बीच पहले से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। दूसरे पक्ष के विकास बाटला ने बताया कि 1970 से ये जमीन हमारे खाते में है। पिताजी की मौत के बाद मेरे नाम हो गई। जैन समाज की जमीन ग्राम गुमानपुरा में आती है। हमारी जमीन ग्राम बालाकुंड में आती है। हमारा खसरा नम्बर 264/3 है। जिसका सीमाज्ञान इनके कहने पर हम पहले भी करा चुके। सीमाज्ञान होने के बाद इन्होंने चूने की लाइन मिटा दी। हमने कलेक्टर के आदेश से ड्रोन सर्वे तक करवाया दिया, जिसमें इंच-इंच का पता लग जाता है। समाज ने वो भी नहीं माना। अब कोर्ट के सरकारी आदेश से काम कर रहे है। 0.93 हेक्टेयर जमीन है। ये बार बार परेशान कर रहे थे, इसलिए सरकारी आदेश से पुलिस इमदाद के बीच सीमाज्ञान करवाया है।

## 8 रेस्टोरेंट से लिए 12 फूड सैंपल, लैब में जांच के लिए भेजा, अब दिया जाएगा नोटिस

**जैसलमेर**

जैसलमेर की फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने जिले में 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान चला रखा है। इसी कड़ी में शहर और ग्रामीण इलाकों में टीम मिलावट के शक में लगातार कार्रवाई कर रही है। फूड सेफ्टी ऑफिसर किशनाराम कड़वासरा ने बताया कि हमने लगातार 3 दिन अलग-अलग 8 रेस्टोरेंट पर कार्रवाई करते हुए करीब 12 फूड प्रोडक्ट के सैंपल लिए। ये सभी सैंपल जांच के लिए जोधपुर स्थित लैब में भेजे गये है। लैब से रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। किशनराम कड़वासरा ने बताया कि आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान जयपुर द्वारा संचालित विशेष अभियान 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान जिले में भी जारी है। इस अभियान के तहत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान जयपुर एवं जिला कलेक्टर जैसलमेर के निर्देशन व सीएमएचओ के मार्गदर्शन में शहर और ग्रामीण इलाकों में मिलावट के शक में कार्रवाई की जा रही है। कड़वासरा ने बताया कि पिछले 3 दिन में विभिन्न रेस्टोरेंट प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत रेस्टोरेंटों से पनीर, दाल, सब्जियां, दही और ग्रेवी सहित 12 खाद्य पदार्थों का खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के तहत सैंपल लिए गए। सैंपल को जोधपुर स्थित लैब भेजा गया है। अब लैब द्वारा

जांच रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी किशनाराम कड़वासरा ने बताया कि होटल और रेस्टोरेंट के लिए पेस्ट कंट्रोल सर्टिफिकेट, वाटर टेस्टिंग रिपोर्ट और फूड हैण्डलर कर्मचारियों का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों वाले रेस्टोरेंट को इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा एवं औषधी नियंत्रण जयपुर द्वारा समयबद्ध योजना अभियान चलाकर मिलावटखोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने और लोगों को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए भविष्य में इस तरीके की कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

## कुत्ते ने फाड़ दिया मासूम का गाल, 9 टांके लगे, 10 साल के बच्चे ने हिम्मत दिखाकर बचाई जान

**भरतपुर**

पड़ोसी के घर के बाहर खेल रहे ढाई साल के बच्चे पर आवारा कुत्ता टूट पड़ा। कुत्ते ने बच्चे का गाल फाड़ दिया। गाल का बायां हिस्सा 3 इंच तक फट गया। उधर से साइकिल से गुजरते 10 साल के बच्चे ने यह देखा तो हिम्मत कर कुत्ते को भगाया और शोर मचाया। घटना डीग गुरुवार शाम 5.30 बजे जिले के कुम्हेर थाना इलाके के गांव सत्यपुरा में हुई। बच्चे के दादा के छोटे भाई प्रताप सिंह जाटव ने बताया- कुत्ते के हमले से आरव के चेहरे पर बड़ा घाव हो गया। गुरुवार रात 9 बजे आरबीएम हॉस्पिटल (भरतपुर) लेकर गए। जहां उसे डॉक्टर ने 9 टांके लगाए। देर रात हॉस्पिटल से बच्चे को छुट्?टी दे दी गई। प्रताप सिंह ने बताया- आरव के पिता रूप किशोर दिल्ली में मजदूरी का काम करते हैं। कल शाम 5.30 बजे आरव पड़ोस के मकान के बाहर मिट्?टी में खेल रहा था। उसकी मां कुमुस घर के काम में जुटी थी। आरव का छोटा भाई 1 महीने का है। मां के अलावा घर में आरव के दादा मदन सिंह थे। गली में एक आवारा कुत्ता अचानक आरव पर झपट पड़ा। उसने बच्चे के गाल पर दांत गड़ाया और खींचा। इससे गाल फट गया। इस दौरान वहां से 10 साल का बच्चा भोला साइकिल पर गुजर रहा था। भोला ने बच्चे पर कुत्ते को झपटते देखा तो हिम्मत दिखाई। उसने कुत्ते को भगाया और शोर मचाया। शोर सुन बच्चे के दादा मदन सिंह, मां कुसुम और पसोड़ी बाहर दौड़े। प्रताप सिंह ने बताया- मैं मजदूरी पर गया हुआ था। बड़े भाई मदन ने फोन पर बताया कि पोते पर कुत्ते ने हमला किया है। मैं बाइक लेकर 6.30 बजे घर पहुंचा। इसके बाद कुसुम

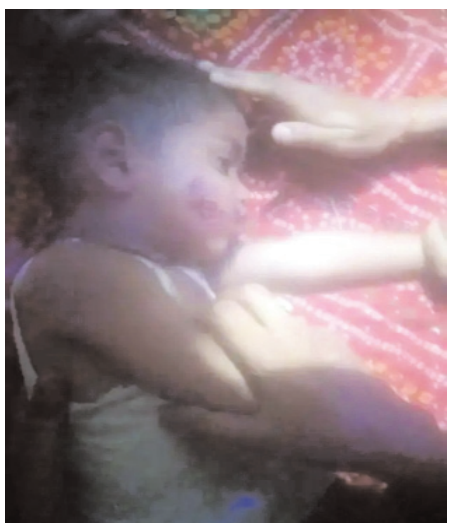

और बच्चे को लेकर कुम्हेर गया जहां डॉ. धर्मवीर की क्लिनिक पर बच्चे को इंजेक्शन लगवाया। वहां से रात 9 बजे बच्चे को आरबीएस हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। बच्चे को 9 टांके लगाए गए। देर रात हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई। प्रताप सिंह का कहना है कि गांव में आवारा कुत्तों का आतंक है। कुत्ते आते-जाते लोगों पर भोंकते रहते हैं। बच्चों के ऊपर हमला करने की कोशिश करते हैं लेकिन, प्रशासन कोई ध्यान नहीं देता। गांव के सभी लोग आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान हैं।

## पाकिस्तान से भारतीय सीमा में घुसा तेंदुआ, बकरी का किया शिकार

**जैसलमेर**

भारत-पाक बॉर्डर पर तारबंदी पार कर पाकिस्तान से आए तेंदुए ने एक बकरी का शिकार किया। सूचना पर जोधपुर से पहुंची वन विभाग की टीम ने नाले में छिपे तेंदुए को ट्रेंकुलाइज कर अपने साथ ले गई। तेंदुए को अरावली की पहाड़ियों में छोड़ दिया जाएगा। क्षेत्रीय वन्य जीव अधिकारी लखपत सिंह भाटी ने बताया कि गुरुवार को सूचना मिली कि भारत-पाक सरहद के पास 12 किमी अंदर जालूवाला और टावरीवाला इलाके की कमलेश विश्नोई की ढाणी में किसी जंगली जानवर ने बकरी का शिकार किया है। हमारी टीम ने मौके पर जाकर पंजे के निशान देखे। तेंदुए के पंजे के निशान होने पर जोधपुर वन्य जीव विभाग से रेस्क्यू टीम को बुलाया। शुक्रवार सुबह हमने पंजों के निशान के आधार पर तेंदुए की तलाश शुरू की। काफी देर तलाशने के बाद इंदिरा गांधी नहर के पुराने नालों के अंदर तेंदुए के पंजों के निशान दिखे। करीब 300 मीटर लंबे नाले की पट्टियां हटाई गईं तो बकरी के अवशेष के पास तेंदुए नजर आया। जोधपुर से ट्रेंकुलाइज टीम के बंशीलाल ने चार साल के नर तेंदुए को ट्रेंकुलाइज किया। कुछ देर बाद उसे नाले से बाहर निकालकर पिंजरे में बंद किया गया। लखपत सिंह ने बताया कि ये वही तेंदुआ है जो 4 महीने पहले सरहद पार कर टावरीवाला व जालूवाला इलाके में बकरियों का शिकार किया था, फिर लौट गया था। गुरुवार को फिर बकरी का शिकार करने पर इसके पंजे के निशान देख हमारी टीम ने

इसे पकड़ने में कामयाबी हासिल की। क्षेत्रीय वन अधिकारी लखपत सिंह भाटी ने बताया कि गुरुवार शाम को जब बकरी के शिकार कि जानकारी मिली तब हमने मौका-मुआयना किया। पंजों के निशान देखकर पेंथर कि पुष्टि हुई। वन विभाग के आशुतोष ओझा को जानकारी देकर जोधपुर वन्य जीव विभाग को सूचना दी गई। शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे जोधपुर से ट्रेंकुलाइज टीम मौके पर पहुंची। सुबह 6 बजे से तेंदुए की तलाश शुरू की गई। बॉर्डर से करीब 12 किमी पास टीम को तेंदुए के पंजों के निशान के आधार तलाश जारी रखी। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे हमें नहर के सूखे नाले के पास तेंदुए के पंजों के निशान मिले। सूखे नाले पर रेत व पत्थर की पट्टिया थीं। सभी ने ग्रामीणों के सहयोग से उनको हटाने का काम किया।

## बजरी से भरे डंपर गाड़ी पर चढ़ाने की कोशिश, दो डंपर व एस्कॉर्ट स्विफ्ट कार जब्त

**बाड़मेर**

बालोतरा जिले में अवैध बजरी कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। पुलिस की कार्रवाई के बाद बजरी माफिया बेखौफ खनन और परिवहन कर रहे है। समदड़ी पुलिस ने खेजड़ियाली गांव लूनी नदी के बहाव वाले इलाकों से अवैध बजरी खनन करते दो डंपर व एक स्विफ्ट कार को जब्त किया है। वहीं, दो युवकों को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार खेजड़ियाली में अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम के लिए नाकाबंदी की हुई थी। इस दौरान एक स्विफ्ट कार और बजरी से भरे दो डंपर लूनी नदी बहाव इलाके पातों का बाड़ा में से अवैध बजरी भरकर आ रहे थे। बजरी जेसीबी से सुरेंद्र सिंह और नरेंद्र सिंह की ओर से भरवाने की बात सामने आई है। एसपी कुंदर कंवरिया ने बताया- समदड़ी थानाधिकारी गीता कुमार मय पुलिस टीम ने गाड़ियों को रुकवाने का इशारा किया। लेकिन वाहन ड्राइवरों ने वाहनों को भगाने का प्रयास किया। इस पर वाहन के जरिए डंपर रुकवाने का प्रयास किया गया। तो डंपर ड्राइवरों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से ऊपर चढ़ाने की कोशिश की। पुलिस ने पीछा करके दो डंपरों और कार को जब्त पकड़ लिया। पुलिस

टीम ने रोशन खा पुत्र निजाम खान निवासी भुर्जगढ़ पर्बतसर पुलिस थाना फलसुंड जैसलमेर और किशन चौधरी पुत्र भोमाराम निवासी बीआर बिरला स्कूल सामने झंवर रोड़ जोधपुर को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक ड्राइवर भागने में सफल रहा। इनके खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने सहित एमएमडीआर एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। कार्रवाई में हेड कॉन्स्टेबल जगदीश, कॉन्स्टेबल राकेश कुमार, रेवंतसिंह और जगदीश प्रसाद शामिल रहे।

## बालोतरा में 7 माह से फरार आरोपी को दबोचा, आरसीसी की प्लेट्स चुराकर भागा था

**बाड़मेर**

बालोतरा जिले की पचपदरा पुलिस ने 7 माह से फरार चल रहे चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी जिले के टॉप-10 आरोपियों में शामिल है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से माल बरामदगी के साथ अन्य चोरी की वारदातों को लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार पचपदरा मुंगड़ा गांव निवासी भंवराराम पुत्र विरमाराम ने 8 अगस्त 2023 को लिखित में रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि 7 अगस्त की रात के समय मेरे घर के पास खुले बाड़े में रखी लोहे की 800 आरसीसी प्लेटों में से 250 प्लेट चोर चुरा कर गाड़ी में भरकर ले गए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने पूर्व में प्लेट चुराने वाले चोर आसुराम पुत्र बाणाराम व प्रकाश पुत्र डूंगराराम निवासी ढंढ मुंगड़ा को गिरफ्तार किया था। आरोपी से पूछताछ के बाद आरोपी आसुराम व प्रकाश से चोरी की प्लेटें प्रकाश पुत्र खेताराम को देना बताया गया। पचपदरा थानाधिकारी अमराराम ने बताया- आरोपी प्रकाश को गिरफ्तार करने के लिए उसके ठिकानों पर दबिश दी गई। लेकिन आरोपी पहले ही भाग जाता। पुलिस को मुखबिर व तकनीकी मदद से सूचना मिलने पर आरोपी प्रकाश पुत्र खेताराम निवासी धोरीमन्ना को दस्तयाब कर पूछताछ की गई, जिसमें उसने चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

# एक और स्पा सेंटर संचालक ने करवाया मुकदमा, आरोपी 3 दिन के रिमांड पर

**पाली**

पाली शहर में संचालित हो रहे स्पा सेंटरों को डरा-धमका कर मासिक बंधी मांगने के आरोप में गिरफ्तार मनीष राठौड़ को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। जहां उसे 3 दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा गया। वही शुक्रवार को एक और स्पा संचालक ने सामने आते हुए मनीष के खिलाफ औद्योगिक थाने में बंधी मांगने और जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने का मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

### आरोपी 3 दिन के रिमांड पर

कोतवाल किशोरसिंह ने बताया कि शुक्रवार को आरोपी मनीष को कोर्ट में पेश किया। जहां आरोपी पक्ष की ओर से कोर्ट में जमानत का आवेदन किया गया, जबकि पुलिस ने कोर्ट में पक्ष रखा कि आरोपी के खिलाफ और भी कई

लोगों से अवैध वसूली की शिकायत मिली है, जिनकी तस्दीक करनी बाकी है। साथ ही स्पा सेंटर संचालक से की गई वूसली की बरामदगी बाकी है, जबकि उसके मोबाइल का डाटा रिकवर करना बाकी है। इसके लिए पुलिस ने आरोपी का रिमांड मांगा। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपी को तीन दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंपा। पाली के औद्योगिक नगर थानाप्रभारी पाना चौधरी ने बताया कि शुक्रवार को थाने में स्पा संचालक पाली के शिवाजी नगर निवासी सुरेन्द्र पुत्र बंशीलाल मेघवाल ने मनीष राठौड़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि उसका जोधपुर रोड पर शुगन थैरेपी नाम से स्पा सेंटर है। जिसके फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कथित पत्रकार मनीष राठौड़ ने बंधी देने के लिए कुछ महीने पहले डराया धमकाया। आरोप है कि इस पर उसे 7-8 महीने तक 10 हजार रुपए महीने के हिसाब से बंधी दी। उसके बाद मनीष ने 15 हजार रुपए प्रतिमाह बंधी देने का दबाव डाला। इसको लेकर इंकार किया तो वीडियो वायरल करने की धमकी दी और जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। मामला दर्जकर जांच शुरू की है।

### यह है मामला

बता दे कि पाली के न्यू शक्ति नगर रहने वाले गौरव चौहान पुत्र रमेश चौहान ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया कि पाली के सुमेरपुर रोड पर उसका विष्णु गोल्ड थैरेपी स्पा सेंटर है। जहां आज से करीब पांच-छह महीने पहले मनीष राठौड़ आया और खुद को पत्रकार बताया। पीड़ित का आरोप है कि षड्यंत्र रचकर मनीष ने उसके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करवाया। फिर साढ़े 3 लाख रुपए लेकर एक महिला से राजीनामा करवाया जो उसकी परिचित थी। इसके साथ ही रिपोर्ट में बताया कि मनीष राठौड़ आज से करीब चार-पांच दिन पहले भी उसके स्पा सेंटर आया और वीडियो बनाने लगा ओर कहा कि इस महीने की मासिक बंदी क्यों नहीं दी।

चिंतन

# अमेरिका, चीन व पाक को भारत की 'नसीहत'

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक साथ अमेरिका, चीन, पाकिस्तान और भूराजनीतिक संकट पर भारत के दृष्टिकोण बहुत ही संजीदगी से दुनिया के सामने रखा है। ईरान से चाबहार डील के बाद आई धमकी भरी अमेरिकी प्रतिक्रिया पर भारत ने शालीनता से जवाब दिया है कि वैश्विक कूटनीति के तौर पर 'प्रतिबंधों की धमकी' का किस प्रकार बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत का इशारा साफ है कि बहुध्रुवीय वैश्विक स्थिति में प्रतिबंधों की धमकी जैसी कूटनीति अब आउटडेटेड हो गई है। अमेरिका को अब अपनी कूटनीति को नया जामा पहनाना चाहिए। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री ने चीन को भी अंतरराष्ट्रीय कानून न मानने के बिंदु पर आईना दिखाया है। जयशंकर ने कहा कि समझौतों का अनादर और कानून के शासन की अवहेलना किए जाने के कारण एशिया में भूमि और समुद्र में नए तनाव पैदा हुए हैं। दरअसल, चीन ने भारत के साथ सीमा समझौते मैकमोहन रेखा की हमेशा अवहेलना की है, उसी तरह ड्रैगन ने दक्षिण चीन सागर में अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक नियम और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय हेग के फैसले का अनादर किया है, जिसके चलते दक्षिण चीन सागर को लेकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तनाव बरकरार है। अंतरराष्ट्रीय नियम कहता है कि समंदर पर किसी देश का आधिपत्य नहीं हो सकता है। दक्षिण चीन सागर में केवल चीन शब्द आने से वह चीन का नहीं हो जाता है। ऐसे तो फिर हिंद महासागर भारत का होगा, अरब सागर सऊदी अरब व संयुक्त अरब अमीरात का व मैक्सिकन सागर मैक्सिको का होगा, पर ऐसा नहीं है। विश्व के सभी समुद्र सभी देशों के उन्मुक्त आवाजाही के लिए मुक्त है। साउथ चाइना सी पर चीन यह गलती लगातार कर रहा है। सीमा विवाद भी सीमा समझौते का आदर नहीं करने के चलते है। भारत सीमा विवाद को लेकर चीन को हमेशा चेताता रहता है, इसके बावजूद चीनी हरकतें उकसावे वाली होती हैं। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास चीन की सैन्य मौजूदगी भारत को हमेशा खटकती रही है और यह सीमा समझौते के खिलाफ भी है। आतंकवाद के पोषक के तौर पर जयशंकर ने पाकिस्तान को भी चेताया है कि आतंकवाद ने उन्हें निगलना शुरू कर दिया है जो लंबे समय से इसका सहारा लेते आए हैं। पाकिस्तान पिछले चार दशक से भारत के खिलाफ आतंकवाद प्रायोजित करता रहा है, इसके लिए उसने अपने क्षेत्र में आतंकवाद को पालता-पोसता रहा है, पर आज वही आतंकवादी खुद पाकिस्तान के लिए नासूर बन गए हैं। इतना ही नहीं, जो देश आतंकवाद व आतंकवादी गुटों को अप्रत्यक्ष तौर पर मदद पहुंचाते रहे हैं, आज वे भी आतंकी गुटों के निशाने पर हैं। आज विश्व यूक्रेन युद्ध के परिणामों, पश्चिम एशिया में हिंसा में वृद्धि और जलवायु घटनाओं, ड्रोन हमलों की घटनाओं, भू-राजनीतिक तनाव एवं प्रतिबंधों के चलते गंभीर खाद्य सुरक्षा संकट के दौर से भी गुजर रहा है। जयशंकर ने कहा कि दुनिया तीन 'एफ' यानी 'फ्यूल, फूड, फर्टिलाइजर' (ईंधन, भोजन और उर्वरक) के संकट से जूझ रही है। ऐसे में वैश्विक महाशक्तियों द्वारा आर्थिक गतिविधियों को हथियार बनाना वैश्विक शांति व सुरक्षा के खिलाफ है। अमेरिका को युद्ध व संघर्ष को ईंधन देने के बजाय जंग मुक्त विश्व के लिए काम करना चाहिए। यूक्रेन व इजराइल को अमेरिकी मदद से जंग कैसे खत्म होगी? भारत के सुझावों पर गौर कर युद्ध और भूराजनीतिक तनाव खत्म करने की दिशा में बातचीत से वैश्विक प्रयास होना चाहिए। अमेरिका, चीन, पाकिस्तान आदि देशों को भारत की नसीहत है कि महत्वाकांक्षी अधिनायकवादी, विस्तारवादी व आतंकवाद से त्रस्त विश्व से अधिक समावेशी व सौहार्दपूर्ण विश्व की जरूरत है।

सीता मंदिर

प्रभात झा

# ...पर मेरा जीर्णोद्धार कब होगा

अयोध्या स्थित रामलाल के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए निमित्त ट्रस्ट से जुड़े कामेश्वर चौपाल का कहना है कि बिहार सरकार पुनौरा धाम ट्रस्ट को यदि हमारे ट्रस्ट को सौंप दे तो हम सभी पुनौरा धाम को भारत का श्रेष्ठ धार्मिक पर्यटन बनाने की दिशा में विचार कर सकते हैं। उनका भी मानना है कि अयोध्या की मान्यता विश्व में भगवान राम लला को लेकर है तो मां सीता को लेकर पुनौरा धाम का नाम विश्व में क्यों नहीं हो सकता। जगत जननी कह रही है कि 'जिनके कारण मेरा अस्तित्व है उनका भव्य मंदिर बनने पर मैं बहुत खुश हूं पर मैं भी उनके साथ पतिव्रता अर्धांगिनी बनकर सदैव हर समय खड़ी रही, तो मेरे साथ भी न्याय होना चाहिए।'

सामान्य तौर पर किसी से भी पूछा जाए कि राम लला का जन्म कहां हुआ, तो सभी तपाक से उत्तर देंगे अयोध्या। इसी तरह यदि आप पूछें कि मां जानकी का जन्म कहां हुआ तो लोग उत्तर देते हैं जनकपुर। जो गलत है। जनकपुर तो सीताजी का ननिहाल और विवाह स्थल है। सत्य यह है कि मां जानकी जहां प्रकट हुई थीं उस स्थान का नाम पुनौरा धाम है। यह स्थान बिहार के सीतामढ़ी शहर से साढ़े तीन किलोमीटर दूर है। उस समय जनकपुर भारत का हिस्सा हुआ करता था, आज जनकपुर नेपाल में है, पर मां सीताजी का प्राकट्यस्थल पुनौराधाम आज भी भारत में है। इसके शास्त्रों में प्रमाण भी उपलब्ध हैं। पुनौरा धाम का महत्व इसलिए और भी बढ़ जाता है क्योंकि अभी बीते गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में ऐसा धाम बनेगा, जिसे दुनिया के लोग देखने आएंगे। यहां भव्य मंदिर सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी और भाजपा ही बनवा सकती है। सीतामढ़ी को राम सर्किट से जोड़ा जाएगा।

वृहद विष्णुपुराण के मिथिला खंड में वर्णित है कि हम संसार में प्राणियों की मनोकामनाएं पूरी करने वाली विशेष फलदायक यज्ञ स्थली पुण्योर्वरा (पुनौराधाम) की यात्रा और दर्शन विशेषकर चैत्र श्री रामनवमी और वैशाख श्री जानकी नवमी में मोक्ष की अभिलाषी को करने चाहिए, क्योंकि दोनों तिथि क्रमशः श्री राम जी का जन्मदिवस और मां सीता जी का प्राकट्य दिवस है। वर्णन है की एक बार सम्पूर्ण मिथिला में घोर दुर्भिक्ष पड़ गया। लोग अन्न और जल के अभाव में दम तोड़ने लगे। उस समय राजा जनक राज कर रहे थे। राजर्षि जनक ने अपने राज्य के विद्वानों, ऋषि-मुनियों और ज्योतिषियों की आपातकालीन सभा बुलाकर भीषण दुर्भिक्ष की विभीषिका से त्राण पाने के उपाय पर विचार-विमर्श किया। सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि राजा जनक को हलेष्ठी यज्ञ करना चाहिए। इसके निमित्त शोध के आधार पर पुण्यारण्य (पुण्डरीक आश्रम) को उपयुक्त स्थान के रूप में चयन किया गया। वृहद विष्णुपुराण के मिथिला माहात्म्य के अष्टम अध्याय में वर्णित है कि राजर्षि जनक का जो प्राचीन दुर्ग था, उसके पारतः पंचकोशी चार विशाल द्वार थे। वे इन दिनों भी वर्तमान जनकपुरधाम से क्रमशः दस मील उत्तर की ओर धनुषा, दस मील दक्षिण की ओर गिरजा स्थान, दस मील पूरब की ओर हरिहरालय महादेव और दस मील पश्चिम जलेश्वरनाथ के नाम से लोक विदित है। यह स्पष्ट है कि महाराजा जनक इसी जलेश्वरनाथ(शिव जी का जलशयन स्थल) से पश्चिम भाग में शाश्वत अठासी ऋषियों एवं रानी सुनैना सहित तीन योजना के बाद हलेष्ठी यज्ञार्थ पुण्डरीक आश्रम पुण्यारण्य पधारे थे, जहां हलेष्ठी यज्ञ की सिद्धि प्राप्त हुई और मां जानकी का प्राकट्य हुआ। पद्मपुराण में वर्णन है कि जानकी नाम तो जनक जी के वंशानुगत जनक शब्द से रखा गया, लेकिन शास्त्रानुसार उनका नाम 'सीता' होना अपेक्षित है, क्योंकि सीत(फार का नुकीला अग्र भाग) और सीता(सिराउर) के संयोग से उत्पत्ति होने के कारण सीता नाम की पुष्टि होती है। जन्म के बाद लौकिक एवं वैदिक रीतियों से वर्षा

से बचाने के लिए 'मड़ई' (मढ़ी) में मां सीता जी रखी गईं तथा उस स्थान का नाम सीतामढ़ी हुआ।

पुण्डरीक क्षेत्र अर्थात पुनौराधाम,जहां मां जानकी का प्राकट्य हुआ, वहां कई पुरातन स्मृतियां हैं, जिनका वर्णन और वहां की भाषाएं का उल्लेख रामायण, पुराणों, संहिताओं एवं इतिहास के पृष्ठों में स्वर्णाक्षरों में वर्णित है। पुनौराधाम में प्रवेश मात्रा से प्राणी पवित्र हो जाता है। मां जानकी कुंड में जलस्पर्श एवं स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। मां जानकी जन्म कुंड को पुण्यनिधि कहा गया है। जगतगुरु रामभद्राचार्य गत 12 वर्षों से लगातार पुनौराधाम में जानकी नवमी आने के नौ दिन पूर्व से जगत जननी मां जानकी की जन्म स्थली पर नौ दिन कथा कर जानकी नवमी सम्पन्न कर समाज को सदैव संदेश देते हैं कि पुनौराधाम ही मां जानकी का प्राकट्य स्थल है। मैं और जगतगुरु रामभद्राचार्य बिहार के तत्कालीन राज्यपाल के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस आशय की जानकारी भी दी। आजादी के बाद पहली बार कोई संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति तत्कालीन राज्यपाल और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पुनौराधाम पहुंचे। उन्होंने सभा में कहा कि पुनौराधाम के बारे में तो मुझे पता ही नहीं था कि यह मां जानकी का प्राकट्य स्थल है। जगतगुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि आप जानकी नवमी पर आइए तो मैं वहां पहुंचा। नीतीश ने कहा कि बिहार सरकार पुनौराधाम स्थित मां जानकी के प्राकट्य स्थल का धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विस्तार करने की दिशा में अनेक कदम भविष्य में उठाए जाएंगे। अयोध्या में भगवान रामलला का भव्य और दिव्य मंदिर वर्षों के संघर्ष के बाद न्यायालय के फैसले से बनकर तैयार हो गया। अभी अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर का प्रथम चरण बना है जिसकी जिसकी प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। कहा जाता है कि 'बिना राम के सीता नहीं और बिना सीता के राम नहीं।' पूरे विश्व से अयोध्या में बने भगवान रामलला के मंदिर के दर्शनार्थ लाखों लोग पधार रहे हैं, पर दूसरी ओर, मां जानकी(सीताजी) का प्राकट्य स्थल पर किसी तरह का जमीनी विवाद नहीं है, और तो और वहां मां जानकी का एक छोटा मंदिर भी बना है। वहां वह स्थल भी मौजूद है जहां राजा जनक ने हल जाता था।

प्रधानमंत्री मोदी जब भी अयोध्या में गए थे जय श्री राम नहीं बोले वह हमेशा 'जय सियाराम' ही बोले। अब सवाल उठता है की माता सीता के प्राकट्य स्थल का जीर्णोद्धार कब होगा। जगतगुरु रामभद्राचार्य ने प्रण लिया हुआ है कि जब तक मां सीता के प्राकट्य स्थल का जीर्णोद्धार और यह भारत का श्रेष्ठ धाम नहीं बनेगा मेरी कथा सदैव जानकी नवमी पर यहां होती रहेगी। राज्यसभा में भी पुनौरा धाम का मामला और वहां मां जानकी के प्राकट्य स्थल के संपूर्ण विकास का मामला उठाया था सदन में सभी दलों ने इसका समर्थन भी किया था। पुनौरा धाम भारत के बिहार राज्य में है। अतः भारत और बिहार सरकार का यह नैतिक दायित्व बनता है कि पुनौरा धाम को भारत का श्रेष्ठ धाम बनाने की दिशा में पुरजोर प्रयास करें। अयोध्या स्थित रामलाल के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए निमित्त ट्रस्ट से जुड़े कामेश्वर चौपाल का कहना है कि बिहार सरकार पुनौरा धाम ट्रस्ट को यदि हमारे ट्रस्ट को सौंप दे तो हम सभी पुनौरा धाम को भारत का श्रेष्ठ धार्मिक पर्यटन बनाने की दिशा में विचार कर सकते हैं। उनका भी मानना है कि अयोध्या की मान्यता विश्व में भगवान राम लला को लेकर है तो मां सीता को लेकर पुनौरा धाम का नाम विश्व में क्यों नहीं हो सकता।

भारत की जनता अब पुनौरा धाम आने लगी है। जानकी नवमी को वहां बहुत बड़ा मेला लगता है। जगत जननी मां सच में इंतजार कर रही हैं और कह रही है कि 'जिनके कारण मेरा अस्तित्व है उनका भव्य मंदिर बनने पर मैं बहुत खुश हूं पर मैं भी उनके साथ पतिव्रता अर्धांगिनी बनकर सदैव हर समय खड़ी रही, तो मेरे साथ भी न्याय होना चाहिए।'

(लेखक भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुके हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

## क्रियायोग : अधिक विकसित होगी नई पीढ़ी

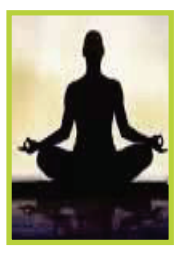

संकलित

दर्शन

सभी मनुष्य वस्तुतः आत्माएं ही हैं। आपके लिए मात्र जन्म के आधार पर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं है। जिन्हें हम 'नौजवान व्यक्ति' कहते हैं, वे पुरानी आत्माएं हैं और वे प्रत्येक मनुष्य में अंतर्जात कामनाओं-सुख, सुरक्षा, प्रेम इत्यादि कामनाओं को पूर्ण करने के लिए हर प्रकार के प्रयासों और आकांक्षाओं से गुजर चुकी हैं। उन्होंने उस (पूर्ति) को प्राप्त करने के प्रयास में अनेक जन्म व्यतीत किए हैं और अंततः वे यहां आए हैं तथा जिन लोगों ने जन्म लिया है, उनमें से लाखों लोग अपने पूर्वजन्मों से विकास के उस चरण में हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण इस विषय पर प्रकाश डालते हैं। वे अर्जुन से कहते हैं, 'यदि अंतिम लक्ष्य को प्राप्त किए बिना तुम्हारे इस जीवन का अंत हो जाता है तो चिंता मत करो, क्योंकि योग-ध्यान का कोई भी प्रयास व्यर्थ नहीं होता है।' तत्पश्चात उस भक्त का एक ऐसे वातावरण में पुनर्जन्म होता है, जहां वह पुनः अपनी आगे की यात्रा प्रारंभ करता है। इसलिए जिन्हें आप 'नौजवान व्यक्ति' कह रहे हैं, वे ज्ञानीजन हैं। वे संभवतः ऐसे युद्धरत आत्माएं हैं, जो हर प्रकार के अनुभव से गुजर चुके हैं और जिनकी चेतना इस प्रकार की है कि उन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में हर तरह के कार्य किए हैं। वे पुनः लौटकर आते हैं और कहते हैं, 'अब मैं अपना और अधिक समय व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं अपने और अधिक जन्मों को व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं वह कार्य करूंगा, जो वास्तव में मेरे आत्मा की क्षमताओं और मेरे आत्मा में विद्यमान उस दिव्य संपर्क की तृष्णा की पूर्ति करेगा।'

## दो अनमोल हीरे

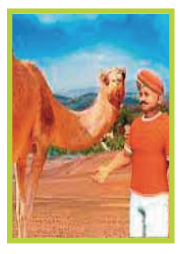

संकलित

प्रेरणा

एक व्यापारी को बाज़ार में घूमते हुए एक बहुत अच्छी नस्ल का ऊँट दिखाई पड़ा। व्यापारी ऊँट खरीद कर घर ले आया। घर पहुँचने पर व्यापारी ने अपने नौकर को ऊँट का कजावा (काठी) निकालने के लिए बुलाया। कजावे के नीचे नौकर को एक छोटी सी मखमल की थैली मिली जिसे खोलने पर उसे कीमती हीरे जवाहरात भरे होने का पता चला। नौकर चिल्लाया, मालिक आपने ऊँट खरीदा, लेकिन देखो, इसके साथ क्या मुफ्त में आया है। व्यापारी बोला- मैंने ऊँट ख़रीदा है, न कि हीरे, मुझे उसे तुरंत वापस करना चाहिए। नौकर बोला- मालिक किसी को पता नहीं चलेगा। पर, व्यापारी ने एक न सुनी और वह तुरंत बाज़ार पहुँचा और दुकानदार को मख़मली थैली वापिस दे दी। ऊँट बेचने वाला बहुत ख़ुश था। अब आप इनाम के तौर पर कोई भी एक हीरा चुन लीजिए। व्यापारी बोला- मैंने ऊँट के लिए सही कीमत चुकाई है इसलिए मुझे किसी शुक्राने और उपहार की जरूरत नहीं है। अंत में व्यापारी ने मुस्कुराते हुए कहा- जब मैंने थैली वापस लाने का सोचा तो मैंने पहले से ही दो सबसे कीमती हीरे इसमें से अपने पास रख लिए थे। इस कबूलनामें के बाद ऊँट बेचने वाला भड़क गया उसने अपने हीरे जवाहरात गिनने के लिए थैली को तुरंत खाली कर लिया। पर वह था बड़ी पशोपेश में बोला- मेरे सारे हीरे तो यहीं है, तो सबसे कीमती दो कौन से थे जो आपने रख़ लिए? व्यापारी बोला- मेरी ईमानदारी और मेरा आत्म सम्मान। जिस-जिस के पास यह 2 हीरे है वह दुनियाँ के सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

सारा संसार

*गुरुवायुर श्री कृष्ण मंदिर केरल के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। यह दक्षिण भारत के सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों में से एक है जहां बालकृष्ण अवतार में पीठासीन देवता भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। मूर्ति चार हाथों वाली है - एक में शंख, एक में गदा, एक में चक्र और एक में कमल है।*

चारधाम यात्रा

मनोज कुमार अग्रवाल

# पहाड़ की सेहत का रखें ध्यान

उत्तराखंड की चार धाम यात्रा 10 मई से शुरू हो गई है। केदारनाथ और यमुनोत्री गंगोत्री धाम के कपाट खोले गए हैं, जबकि बद्रीनाथ मंदिर में दर्शन 12 मई से शुरू हो गए हैं। इसी के साथ पर्यटकों की भारी भीड़ ने तमाम प्रबंधों को ध्वस्त कर दिया यहां पहले ही दिन हजारों लोगों की भीड़ के कारण अव्यवस्था देखने को मिली। वहीं श्रद्धा आस्था के ऊपर पर्यटन वाली मानसिकता हावी होती देखी जा सकती है, जिसके चलते पहाड़ के नाजुक पर्यावरण के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। आस्था और पर्यटन का यह संगम पहाड़ की सेहत के लिए भी खतरा खड़ा कर सकता है। यात्रा के शुरू होते ही चार धाम में लग रही भारी भीड़ को देखते हुए दो दिनों के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन बंद किया गया है। यहां आपको बता दें कि पिछले साल यात्रा खत्म होने के बाद सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक केदारनाथ में 96, यमुनोत्री धाम में 34, गंगोत्री धाम में 29, बद्रीनाथ धाम में 33 और हेमकुंड साहिब में 7 और गौमुख ट्रैक में 1 यानी कुल दो सौ लोगों की मौत हुई थी, वहीं 2022 में चारधाम यात्रा के दौरान 232 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। यह आंकड़े डराने वाले हैं। 10 मई को कपाट खुलने के बाद से अब तक 1 लाख 26 हजार 306 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ पहुंचकर नया रिकॉर्ड बनाया है। पौराणिक ग्रंथों के मुताबिक उत्तराखंड में चार धाम यात्रा 1200 साल से हो रही है, लेकिन पहली बार इतने श्रद्धालु पहुंचे हैं। अधिक तादाद में श्रद्धालुओं के पहुंचने से एक ओर व्यवस्थाओं का गड़बड़ाना लाजिमी है दूसरी ओर पवित्र स्थलों की पवित्रता भी प्रभावित होने की संभावना कम नहीं है। टनों कचरा प्लास्टिक व अन्य गंदगी पहले से ही वन विहीन हो रहे पहाड़ के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर रहे हैं। वाहनों की उत्सर्जित गैस व गर्मी पर्यावरण को बिगाड़ रही है। जब इतना अधिक संख्या में यात्री चारों धाम पहुंच रहे हैं तो पहाड़ के संवेदनशील भौगोलिक वातावरण पर दुष्प्रभाव होना भी स्वाभाविक है बेशक पर्यटन से राजस्व कमाने और रोजगार व अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए चारधाम यात्रा को आकर्षण बनाने की मुहिम की गई जिस का परिणाम यात्रा के लिए आ रहे लोगों की बढ़ी तादाद है, लेकिन तात्कालिक लाभ के लिए पहाड़ की सेहत से खिलवाड़ उचित नहीं है। पूर्व में उत्तराखंड का केदारनाथ जिस प्राकृतिक त्रासदी से दो चार हो चुका है जिसमें कई हजार श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी उस को भी याद रखना चाहिए, लेकिन इन दिनों लोगों में कभी बेहद दुर्गम व पवित्र तीर्थ धाम माने जाने वाले इन पावन स्थलों को पर्यटन की तर्ज पर घूमने की होड़ लगी हुई है। दरअसल सम्पन्न मध्यमवर्गीय लोगों में आस्था और पर्यटन एक पंथ दो काज करने की मानसिकता बनी है लोग इन समुद्र तल से आठ हजार फुट व अधिक ऊंचाई वाले कम आक्सीजन वाले धार्मिक स्थलों पर बुजुर्गों और छोटे बच्चों को भी साथ लेकर आ रहे हैं। यात्रा शुरू होने के पहले सप्ताह में ही दर्जनों श्रद्धालुओं की मौत बता रही है कि व्यवस्थाएं कमजोर हैं। इस सब के बावजूद लोगों में पहाड़ पर पर्यटन की तर्ज पर चारधाम जाने की होड़ लगी है। यह उचित नहीं है। धार्मिक स्थलों की मर्यादाओं को ध्यान में रखकर दर्शन करने से ही पुन्य मिल सकता है पर्यटन के भाव से मौज मस्ती और अमर्यादित वस्त्र परिधान पहन कर धार्मिक विश्वास दर्शाना महज धोखा है। इन हालात में पहाड़ की सेहत से तो खिलवाड़ किया जा रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## सटाका

### आज की पाती

**डेंगू से बचने-बचाने के लिए गंभीर हों**

हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को डेंगू से बचने और इस बीमारी से निपटने के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष का थीम है- डेंगू रोकथाम सुरक्षित कल के लिए हमारी जिम्मेदारी। महामारी हो या अन्य कोई बीमारी, इससे बचने के लिए आमजन को भी गंभीर होना चाहिए, मात्र सरकारों या प्रशासन के भरोसे ही नहीं बैठना चाहिए। हर वर्ष देश के विभिन्न राज्यों में डेंगू अपना कहर बरपाता है। सरकार और प्रशासन भी कुंभकर्णी नींद से तभी जागते हैं जब डेंगू जानलेवा बनने लगता है। प्रशासन को चाहिए कि वह आग लगने के बाद कुआं खोदने की बजाय पहले ही डेंगू को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठा ले। - **ललित ताम्रकार**, रायगढ़

ट्रेंड

### सम्मान के लिए प्रतिबद्ध हों

समलैंगिक संबंधों का अपराधीकरण समाप्त होना चाहिए, साथ ही एलजीबीटीआईक्यू+ समुदायों के खिलाफ भेदभाव भी समाप्त होना चाहिए। होमोफोबिया, बाइफ़ोबिया और ट्रांसफोबिया के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर और हर दिन, आइए सभी के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध हों।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

### सभी हमारे बच्चे

56 राष्ट्रमंडल देशों में 123 मिलियन बच्चे स्कूल से बाहर हैं। मैं पूछता हूं किसके बच्चे हैं? किसके बच्चे गुलामी में फंसे हैं? युद्धों में किसके बच्चे मारे और अपंग हो जाते हैं? किसके बच्चे जलवायु अन्याय से सबसे अधिक पीड़ित हैं? वे सभी हमारे बच्चे हैं!

-कैलाश सत्यार्थी, नोबेल विजेता

### बहुमूल्य है समय

समय बहुमूल्य है। भविष्य की सही सटीक और प्रभावी योजनाएं बनाएं और समय साधनों का सदुपयोग करना सीखें। आध्यात्मिक पथिक सदैव समय, साधनों का उचित प्रयोग परम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए करता है।

-अवधेशानंद, आध्यात्मिक गुरु

### तो ऐसा नहीं है

बस एक चेतावनी- यदि आपको लगता है कि यह असंभव है-तो ऐसा नहीं है। यदि आप सोचते हैं कि आप सब कुछ जानते हैं - तो ऐसा नहीं है। अगर आपको लगता है कि आप अकेले हैं- तो आप नहीं हैं!

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

## संक्षिप्त खबरें

### लार्सन एंड टुब्रो को मिले कई ठेके

**नई दिल्ली।** इंजीनियरिंग व निर्माण समूह लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के भवन एवं कारखाना कारोबार को कई ठेके मिले हैं। कंपनी को कोलकाता में एक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर के निर्माण के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज कोलकाता से ठेका मिला है। इसमें 605 बिस्तर वाला अस्पताल और एक मेडिकल कॉलेज शामिल है। इस परियोजना को 60 महीने की अवधि में दो चरणों में पूरा किया जाना है। एलएंडटी के भवन एवं कारखाना कारोबार को कई 'ऐड-ऑन ऑर्डर' भी मिले हैं।

### मोटोरोला ने एज 50 फ़्यूज़न लॉन्च किया

**नई दिल्ली।** स्मार्टफोन निर्माता मोटोरोला ने नवीनतम संस्करण मोटोरोला एज 50 फ्यूज़न को लॉन्च किया। यह स्मार्टफोन एक पर्यावरण-हितैषी पैकेजिंग में आता है, जो प्लास्टिक से मुक्त है। मोटोरोला एज 50 फ्यूज़न, 50एमपी 2.0यूएम अल्ट्रा पिक्सेल वाले मेन ओआईएस कैमरा से लैस है। इस हैंडसेट में स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 प्रोसेसर, 12जीबी तक इन-बिल्ट रैम और 256जीबी स्टोरेज तथा 5000एमएएच बैटरी से लैस है।

### ग्रोइंगटन वेंचर्स इंडिया लिमिटेड का मुनाफा बढ़ा

**मुंबई।** ग्रोइंगटन वेंचर्स इंडिया लिमिटेड का लक्ष्य आने वाले समय में सशक्त आर्थिक विकास हासिल करना है। कंपनी ने दिसंबर 2023 को समाप्त वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही और नौमाही के लिए उत्कृष्ट वित्तीय परिणाम प्रस्तुत किए है। वित्त वर्ष 2024 की नौमाही में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 की नौमाही में अर्जित 9.04 करोड़ रुपये के मुकाबले साल-दर-साल 163 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 23.81 करोड़ रुपये का कुल राजस्व अर्जित किया है। वित्त वर्ष 2024 की नौमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 328 प्रतिशत बढ़कर 1.75 करोड़ रुपये हो गया।

### ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस का आईपीओ 22 को

**मुंबई।** सीबीआरई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सबसे बड़ी फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस सॉल्यूशंस कंपनी, ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लि. 22 मई को इक्विटी शेयरों का अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम पेश करेगी। एंकर निवेशक बोली की तारीख बोली/ऑफर खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है, ऑफर बंद होने की तारीख 27 मई है। प्राइस बैंड ₹364 प्रति इक्विटी शेयर से ₹383प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 39 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 39 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती है।

### पीएचएफ लीजिंग का मुनाफा 62 प्रतिशत बढ़ा

**नई दिल्ली।** पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड ने इस वर्ष मार्च में समाप्त चौथी तिमाही में 92.52 लाख रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 57.16 लाख रुपये की तुलना में 62 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने आज यहां जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि इस तिमाही में उसका कुल कारोबार 10.89 करोड़ रुपये रहा है जो मार्च 2023 में समाप्त तिमाही के 6.56 करोड़ रुपये के कारोबार की तुलना में 66 प्रतिशत अधिक है। उसने कहा कि मार्च 2024 में समाप्त वित्त वर्ष में उसका शुद्ध लाभ 3.88 करोड़ रुपये रहा है। इसी तरह से कंपनी का राजस्व भी पिछले वित्त वर्ष के 17.73 करोड़ रुपये की तुलना में 95प्रतिशत बढ़कर 34.64 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

### देवू इंडिया ने पेश किया लिथियम इनवर्टर

**नई दिल्ली।** देवू इंडिया ने उन्नत प्रौद्योगिकी से लैस, पर्यावरण अनुकूल तथा सुरक्षित लिथियम इनवर्टर पेश किया है। लिथियम एक हल्की धातु है। लिथियम बैटरियां आम तौर पर सुरक्षित होती हैं और लगभग 10 साल तक चलती हैं। कंपनी का दावा है कि यह 'मेंटेनेंस फ्री' है और खरीदारों को इसके रखरखाव की चिंता करने की जरूरत नहीं है। देवू इंडिया की शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस इनवर्टर के रखरखाव की चिंता करने की जरूरत नहीं। मजबूत डिजाइन तथा उन्नत प्रौद्योगिकी से लैस इस इनवर्टर में अच्छा-खासा 'पावर बैकअप' है। इसके अलावा इसकी लाइफ पीओ4 लिथियम बैटरी 'एसिड लीकेज' के खतरे को दूर करती है। इस इनवर्टर के इस्तेमाल से पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

*(एजेंसियां)*

# चांदी 89000 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंची

**नई दिल्ली (भाषा)।**

चांदी की कीमत लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड बढत के साथ शुक्रवार को स्थानीय बाजार में 89,000 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। हालांकि विदेशी बाजारों में मजबूत रुख के अनुरूप सोने की कीमत 150 रुपये गिरकर 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमतें 300 रुपये उछलकर 89,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। पिछले सत्र में यह 88,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इस बीच सोने की कीमतें 150 रुपये गिरकर 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। पिछले सत्र में यह 74,050 रुपये पर बंद हुआ था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'शुक्रवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई क्योंकि अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल कई सप्ताह के निचले स्तर से उबर गये।

अमेरिकी डॉलर सूचकांक वर्तमान में पिछले बंद के मुकाबले 0.22 प्रतिशत अधिक है।"

अंतरराष्ट्रीय बाजार, कॉमेक्स (जिंस बाजार) में सोना हाजिर 2,380 डॉलर प्रति औंस पर रहा जो पिछले बंद से छह डॉलर नीचे है।

ब्लिकएक्स और जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध मामलों के उपाध्यक्ष (कमोडिटी एंड करेंसी) प्रणव मेर ने कहा, "सत्र में अब तक सोने में मजबूती के साथ कारोबार देखा जा रहा है और सप्ताह का अंत सकारात्मक रहने की संभावना है। इसका कारण अमेरिका से हाल ही में जारी आर्थिक आंकड़ों में गतिविधियों में नरमी के संकेत दिख रहे हैं, जबकि मुद्रास्फीति फिर से कम होने लगी है। इससे उम्मीद बढ़ी है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा जल्द ब्याज दर में कटौती की जा सकती है।" हालांकि, चांदी बढ़त के साथ 29.65 डॉलर प्रति औंस पर रही। पिछले कारोबार में यह 29.55 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी।

## ईवी नीति के तहत निवेश के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जल्द

**नई दिल्ली (भाषा)।** सरकार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति के तहत निवेश की संभावनाएं तलाश रही कंपनियों के लिए विस्तृत दिशानिर्देशों पर काम कर रही है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि संबंधित पक्षों के साथ परामर्श का दूसरा दौर जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

भारी उद्योग मंत्रालय पिछले महीने ही परामर्श का पहला दौर आयोजित कर चुका है। अधिकारी ने बताया कि दिशानिर्देशों में आवेदन, पोर्टल लिंक और परियोजना निगरानी एजेंसी के बारे में जानकारी शामिल होगी। अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत में वाहन कंपनियां जरूरी निवेश के लिए प्रतिबद्ध होकर प्रोत्साहन हासिल करने के लिए ईवी नीति के तहत आवेदन कर सकती हैं।

उन्होंने कहा, "वे नई नीति के तहत एक निश्चित संख्या में ईवी के लिए आयात लाइसेंस का आवेदन कर सकते हैं और इसके लिए उन्हें निवेश के लिए प्रतिबद्धता जतानी होगी।'

भारत में पहले से मौजूद कंपनियों को ईवी नीति के तहत आवेदन करने के लिए नई सहायक कंपनी को पंजीकृत करने की जरूरत नहीं है।

# विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 644 अरब डॉलर पर

**मुंबई (भाषा)।**

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 मई को समाप्त सप्ताह में 2.56 अरब डॉलर बढकर 644.15 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.67 अरब डॉलर बढकर 641.59 अरब डॉलर रहा था। इसके पहले लगातार तीन सप्ताह इसमें गिरावट आई थी।

■ विशेष आहरण अधिकार 50 लाख डॉलर बढ़कर 18.06 अरब डॉलर हो गया

■ आईएमएफ के पास भारत की जमा 4.495 अरब डालर

पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का मुद्रा भंडार 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 10 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 565.65 अरब डॉलर हो गयी।

डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़कर 55.95 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 50 लाख डॉलर बढ़कर 18.06 अरब डॉलर हो गया।

रिजर्व बैंक के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के पास भारत की आरक्षित जमा 40 लाख डॉलर घटकर 4.495 अरब डॉलर रह गयी।

## रुपया 17 पैसे की तेजी के साथ 83.33 प्रति डॉलर पर

**मुंबई (भाषा)।** सकारात्मक घरेलू बाजार तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के ताजा निवेश की उम्मीद के कारण शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे की मजबूती के साथ 83.33 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के डॉलर की बिकवाली करने के कारण भी रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.50 प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान 83.32 प्रति डॉलर के दिन के उच्चतम तथा 83.50 प्रति डॉलर के निचले स्तर को छूने के बाद अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 17 पैसे की तेजी के साथ 83.33 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 83.50 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

बीएनपी पारिबा बाय शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, "हमारा मानना है कि फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख तथा कमजोर एशियाई और यूरोपीय बाजारों के बीच डॉलर के मजबूत होने से रुपया थोड़ा नकारात्मक रहेगा। हालांकि, घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख रुपये को निचले स्तर पर समर्थन दे सकता है।'

# भारत को विनिर्माण क्षेत्र में तेजी लाने की जरूरत

**नई दिल्ली (भाषा)।**

■ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा पीएलआई योजना मोबाइल तथा इलेक्ट्रानिक क्षेत्रों में ला रही बदलाव

■ देश में बिकने वाले 99 फीसद मोबाइल फोन स्वदेश निर्मित, एप्पल का दूसरा सबसे बड़ा निर्माण केन्द्र भारत में

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि देश को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए अपने विनिर्माण क्षेत्र में तेजी लाने की जरूरत है। सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में भारतीय उद्योग के प्रमुखों को संबोधित करते हुए मंत्री ने उत्पाद निर्माण और नीति समर्थन में अधिक परिष्करण हासिल करने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

सीतारमण ने कहा, 'मैं कुछ अर्थशास्त्रियों द्वारा दी गई इस सलाह के विपरीत कुछ रेखांकित करना चाहती हूं कि भारत को अब विनिर्माण पर ध्यान नहीं देना चाहिए या विनिर्माण में तेजी नहीं लानी चाहिए... । मैं इस तथ्य पर जोर देना चाहती हूं कि विनिर्माण में वृद्धि होनी चाहिए। भारत को नीतियों की मदद से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी (विनिर्माण) हिस्सेदारी भी बढ़ानी चाहिए।" भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन सहित कुछ अर्थशास्त्रियों ने राय व्यक्त की है कि भारत को विनिर्माण के बजाय सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि उसने वह अवसर गंवा दिया है। उनका कहना है कि चीन के विनिर्माण-आधारित वृद्धि मॉडल को अब और दोहराया नहीं जा सकता।

हालांकि, सीतारमण ने कहा कि विनिर्माण के विस्तार से भारत को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि भारत के पास अब भी अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ाने का अवसर है क्योंकि दुनिया कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद 'चीन प्लस वन' रणनीति पर ध्यान दे रही है।

'कैपजेमिनी रिसर्च इंस्टीट्यूट' की मई में जारी रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यूरोप और अमेरिका में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए निवेश स्थलों की सूची में भारत शीर्ष पर है, जो चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं और अपनी विनिर्माण क्षमता का कुछ हिस्सा उभरते बाजारों में स्थानांतरित करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, " यह अपने आप में हमारे भारतीय उद्योग को काफी बड़ा दायरा प्रदान करता है। पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना मोबाइल तथा इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्रों में भी बदलाव ला रही हैं।" उन्होंने कहा कि 2014 में 78 प्रतिशत आयात से निर्भरता तक, आज भारत में बिकने वाले 99 प्रतिशत मोबाइल भारत में निर्मित हैं। सीतारमण ने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत पिछले साल 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात के साथ चीन के बाहर आईफोन के लिए एप्पल का दूसरा सबसे बड़ा विनिर्माण केंद्र बन गया।

सेवा क्षेत्र पर उन्होंने कहा कि दुनिया के 50 प्रतिशत से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्रों पर भारत का कब्जा है और यह महत्वपूर्ण घरेलू तथा वैश्विक अवसर उत्पन्न करने वाला सबसे पसंदीदा गंतव्य बना हुआ है।

## इंडेक्स फंड को प्राथमिकता दे रहे है नए निवेशक

**नई दिल्ली (वि.)।** निवेशक व्यवहार पर हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि नए निवेशक अपेक्षाकृत अधिक संख्या में भारतीय इक्विटी में निवेश के लिए इंडेक्स फंड को प्राथमिकता दे रहे है। यह जानकारी एक्सिस एएमसी के उत्पाद एवं विकल्प प्रमुख अश्विन पाटनी ने दी। अध्ययन में कहा गया है कि दीर्घकालिक स्तर पर संपत्ति निर्माण चाहने वाले निवेशकों के बीच इंडेक्स फंड तेज़ी से लोकप्रिय हो गए है।

गौरतलब है कि ये फंड विशिष्ट बाज़ार सूचकांक के प्रदर्शन को ट्रैक करने और पारदर्शी तथा सीधी निवेश रणनीति प्रदान करने के लिए तैयार किए गए है। वित्तीय बाज़ार के विकसित होने के मद्देनज़र इंडेक्स फंडों की अपील बढ़ी है जो नौसिखिए और अनुभवी दोनों तरह के निवेशकों को आकर्षित कर रही है। उनकी बढ़ती लोकप्रियता, व्यापक बाज़ार प्रदर्शन और बाज़ार से जुड़े रिटर्न की क्षमता की पेशकश के कारण बढ़ी है, जो उन्हें अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए महत्वपूर्ण बनाती है। इसका मतलब यह है कि ये फंड बाज़ार से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास नहीं करते है बल्कि उसके अनुरूप प्रदर्शन करते है या बेंचमार्क के रिटर्न से मेल खाते है जिसमें ट्रैकिंग एरर की संभावना रहती है। ये एक्टिव फंडों के मुकाबले इस लिहाज़ से अलग होते है। एक्टिव फंडों का उद्देश्य होता है, किसी भी समय या ज़्यादातर बाज़ार से बेहतर प्रदर्शन करना।

# कई पश्चिमी देशों के लिए निवेश गंतव्य बन रहा भारत

**संयुक्त राष्ट्र(भाषा)।**

■ भारत की अर्थव्यवस्था 2024 में 6.9 प्रतिशत और 2025 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान : संरा

संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने कहा कि चीन में विदेशी निवेश कम होने से भारत कई पश्चिमी कंपनियों के लिए एक वैकल्पिक गंतव्य बन गया है। इससे भारत की आर्थिक वृद्धि "काफी बेहतर" हुई है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2024 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को संशोधित किए जाने के मौके पर विशेषज्ञ ने यह बात कही।

संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग (यूएन डीईएसए) के आर्थिक विश्लेषण एवं नीति प्रभाग में वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा के प्रमुख हामिद राशिद ने बृहस्पतिवार को यहां पत्रकारों कहा, "भारत को अन्य पश्चिमी स्रोतों से भारत में आने वाले अधिक निवेश से भी लाभ हो रहा है, क्योंकि चीन में कम से कम विदेशी निवेश जा रहा है। भारत कई पश्चिमी कंपनियों के लिए एक वैकल्पिक निवेश स्रोत या गंतव्य बन गया है। मुझे लगता है कि इससे भारत को फायदा हो रहा है।"

वह 'वैश्विक आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं 2024' के मध्य-वर्ष के ताजा अनुमानों पर जानकारी दे रहे थे। वर्ष 2024 के लिए भारत की वृद्धि संबंधी अनुमान को संशोधित किया गया है। यह अनुमान जताया गया है कि इस वर्ष देश की अर्थव्यवस्था लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। वर्ष 2024 के मध्य तक 'वैश्विक आर्थिक स्थिति व संभावनाओं' संबंधी बृहस्पतिवार जारी आंकड़ों में कहा गया, "भारत की अर्थव्यवस्था 2024 में 6.9 प्रतिशत और 2025 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो मुख्य रूप से मजबूत सार्वजनिक निवेश और लचीली निजी खपत से प्रेरित है। हालांकि, कमजोर बाहरी मांग का व्यापारिक निर्यात वृद्धि पर असर जारी रहेगा, औषधि और रसायनों के निर्यात में जोरदार वृद्धि की उम्मीद है।'

मध्य वर्ष के ताजा आंकड़ों में भारत के लिए 6.9 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान इस साल जनवरी में संयुक्त राष्ट्र द्वारा लगाए गए 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर के अनुमान से अधिक है। चीन के लिए इसमें मामूली वृद्धि की गई है। अब चीन की 2024 में वृद्धि दर 4.8 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जिसका जनवरी में 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। चीन की वृद्धि दर 2023 की 5.2 प्रतिशत दर से घटकर 2024 में 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

# अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने एस्सार ट्रांस्को का अधिग्रहण किया

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने एस्सार ट्रांस्को लिमिटेड में 1,900 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर 100 फीसद हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। यह शेयर अधिग्रहण जून 2022 में हुए निश्चित समझौतों के तहत हुआ है। इस अधिग्रहण में मध्य प्रदेश के महान और छत्तीसगढ़ के सिपत पूलिंग सबस्टेशन को जोड़ने वाली पूरी तरह से ऑपरेशनल 400 केवी, 673 सर्किट किलोमीटर की इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन लाइन शामिल है। यह प्रोजेक्ट सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (सीईआरसी) रेगुलेटेड रिटर्न फ्रेमवर्क के तहत संचालित हो रहा है और इसे 22 सितंबर 2018 को चालू किया गया था।

एईएसएल के कैपिटल मैनेजमेंट के अनुसार, एटीएसटीएल ने भी सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी शर्तों पर वित्तपोषण जुटाया है। यह एईएसएल के लिए पूंजी जुटाने के मामले में एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है जो इसके ऑपरेशनल एसेट्स के लिए कम लागत वाले ऋण को अनलॉक करता है। यह फाइनेंसिंग एक लॉन्ग-टर्म लाइसेंस लाइफ के साथ एईएसएल के यूटिलिटी कैश-फ्लो की गुणवत्ता का भी उदहारण पेश करता है, जिसे एक स्थिर रेगुलेटरी फ्रेमवर्क का समर्थन प्राप्त है। एमयूएफजी बैंक लिमिटेड इस वित्तपोषण के लिए एकमात्र ऋणदाता है। महान-सिपत ट्रांसमिशन नेटवर्क के अधिग्रहण से मध्य भारत में एईएसएल की उपस्थिति मजबूत होगी।

## जीएसटीएन ने तंबाकू विनिर्माताओं की मशीनों को पंजीकृत करने के लिए विशेष प्रक्रिया शुरू की

**नई दिल्ली (भाषा)।** जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने पान मसाला, गुटखा और इसी तरह के तंबाकू उत्पादों के विनिर्माताओं के लिए उनकी मशीनों को पंजीकृत कराने को लेकर एक विशेष प्रक्रिया शुरू की है। इस पहल का मकसद कर चोरी को रोकना है।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने एक अप्रैल से पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के विनिर्माताओं के लिए जीएसटी अनुपालन में सुधार के लिए एक नई पंजीकरण तथा मासिक रिटर्न दाखिल प्रक्रिया शुरू करने की जनवरी में घोषणा की थी। बाद में इस तारीख को मई तक बढ़ा दिया गया था। जीएसटी नेटवर्क ने 16 मई को करदाताओं को सूचित किया कि ऐसे विनिर्माताओं के लिए जीएसटी एसआरएम-आई फॉर्म के जरिए अपनी मशीन से संबंधित जानकारी जमा करने की ऑनलाइन सुविधा जीएसटी मंच पर शुरू की गई है।

# भारत अधिक एफटीए करे, सीमा शुल्क घटाये : नीति आयोग

**नई दिल्ली, (भाषा)।** नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी वी आर सुब्रमण्यम ने शुक्रवार को कहा कि भारत को बाकी दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए कई और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने और सीमा शुल्क कम करने की जरूरत है। सुब्रमण्यम ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा कि सरकार को किसी भी क्षेत्र को प्रतिस्पर्धा से संरक्षण नहीं देना चाहिए।

उन्होंने उद्योग जगत के दिग्गजों को संबोधित करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि हमें अपनी क्षमताओं के बारे में बहुत आश्वस्त होना चाहिए कि भारत वास्तव में बाकी दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धी होने में सक्षम होगा।" सुब्रमण्यम ने कहा कि दुनिया की शीर्ष 50 कंपनियों में भारत की सिर्फ एक बीमा कंपनी है, जबकि वैश्विक शीर्ष 100 की सूची में केवल दो बैंक हैं।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि हमें शुल्क को बहुत कम रखना चाहिए। भारत को दूसरे देशों के साथ कई और एफटीए पर हस्ताक्षर करने चाहिए।" सुब्रमण्यम ने कहा कि भारतीय कंपनियां भी अपने-अपने क्षेत्र में बाकी दुनिया की कंपनियों की बराबरी कर सकती हैं।

उन्होंने संरक्षणवाद के प्रति भी आगाह किया और निर्यात को बढावा देने तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के लिए भारत के वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में शामिल होने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। नीति आयोग के सीईओ ने इस क्षेत्र में अधिक निजी पूंजी का भी आह्वान किया।

## विक्रम सोलर को गुजरात में एनटीपीसी से मिला ठेका

**नई दिल्ली (भाषा)।** विक्रम सोलर को गुजरात में एनटीपीसी की खावड़ा परियोजना के लिए 397.7 मेगावाट सौर मॉड्यूल आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी के एक बयान में कहा गया कि विक्रम सोलर ने एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड से 397.7 मेगावाट मॉड्यूल आपूर्ति का ठेका हासिल किया है। मॉड्यूल गुजरात में 1,255 मेगावाट खावड़ा सौर परियोजना के एक महत्वपूर्ण हिस्से को बिजली देंगे।

बयान में कहा गया कि यह परियोजना घरेलू सामग्री आवश्यकता के साथ पूरी तरह से मेल खाती है और भारत की घरेलू सौर विनिर्माण क्षमताओं को बढाने के लिए कंपनी के समर्पण को और मजबूत करती हैठ विक्रम सोलर के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ज्ञानेश चौधरी ने कहा, " एनटीपीसी के लिए कई सौर परियोजनाओं के हमारे सफल निष्पादन ने एक गहरा विश्वास उत्पन्न किया है।'

# हवाई यात्रा करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी

**नई दिल्ली (भाषा)।**

तीन माह में 9.7 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की

पहले से कहीं अधिक भारतीय अब देश के भीतर या बाहर की हवाई यात्रा कर रहे हैं। इस साल के पहले तीन महीनों में ही 9.7 करोड़ यात्रियों ने भारतीय हवाईअड्डों से यात्रा की। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मास्टरकार्ड इकोनॉमिक्स इंस्टीट्यूट (एमईआई) की तरफ से जारी 'यात्रा रुझान 2024: सीमाओं से परे' रिपोर्ट में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 13 बाजारों समेत कुल 74 बाजारों में यात्रा उद्योग के विकसित परिदृश्य को लेकर व्यापक नजरिया दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2024 में बढ़ते मध्यम वर्ग और हवाई मार्गों की क्षमता बढ़ने से पहले से कहीं अधिक भारतीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा कर रहे हैं। साल के पहले तीन महीनों में ही 9.7 करोड़ यात्रियों ने भारतीय हवाईअड्डों से यात्रा की। महज 10 साल पहले इस आंकड़े तक पहुंचने में पूरा साल लग गया था। रिपोर्ट कहती है कि घरेलू हवाई यात्री यातायात 2019 के स्तर से 21 प्रतिशत अधिक बढ़ गया जबकि अंतरराष्ट्रीय यात्रा में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारतीय यात्री तेजी से प्रमुख बाजारों का रुख कर रहे हैं। वर्ष 2019 की तुलना में जापान की यात्राओं में 53 प्रतिशत, वियतनाम की यात्राओं में 248 प्रतिशत और अमेरिका की यात्राओं में 59 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ऐसा अमेरिकी डॉलर के मजबूत रहने के बावजूद देखा गया है। इसके अलावा एम्स्टर्डम, सिंगापुर, लंदन, फ्रैंकफर्ट और मेलबर्न शीर्ष पांच गंतव्य हैं जहां भारतीय यात्री इस साल की गर्मियों में जा रहे हैं। रिपोर्ट में उड़ानों की बुकिंग के आंकड़ों से यह आकलन पेश किया गया है। मास्टरकार्ड के मुख्य अर्थशास्त्री (एशिया प्रशांत) डेविड मान ने एक बयान में कहा कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में उपभोक्ताओं में यात्रा करने की तीव्र चाहत और मंशा है और वे अपनी यात्राओं से बेहतरीन अनुभव हासिल करने के लिए अधिक समझदार हो रहे हैं।

वर्ष 2020 में पेश किया गया मास्टरकार्ड इकोनॉमिक्स इंस्टीट्यूट उपभोक्ता के नजरिये से व्यापक आर्थिक रुझानों का विश्लेषण करता है।

# भारत 2027-28 तक बन सकता है तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था : पनगढ़िया

**नई दिल्ली (भाषा)।**

सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने शुक्रवार को कहा कि अगर देश पिछले दो दशकों की वृद्धि रफ्तार को आगे भी जारी रखता है तो भारत वित्त वर्ष 2027-28 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

पनगढ़िया ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यवसाय शिखर सम्मेलन में कहा कि 2003-04 से शुरू हुए दो दशकों में भारत ने अत्यधिक गरीबी को खत्म कर दिया है। वर्तमान में अत्यधिक गरीब लोगों का अनुपात कुल जनसंख्या के तीन प्रतिशत से अधिक नहीं है।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में अल्प-रोजगार की समस्या है क्योंकि कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र में लगा हुआ है और उन्हें तीव्र शहरीकरण के लिए कृषि से हटाकर उद्योग की तरफ ले जाने की जरूरत है।

फिलहाल भारत का 45 प्रतिशत कार्यबल कृषि क्षेत्र में लगा हुआ है जबकि इस क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान 15 प्रतिशत ही है। इसका मतलब है कि कृषि में औसत उत्पादकता अर्थव्यवस्था की औसत उत्पादकता का एक-तिहाई है।

पनगढिया ने कहा कि बीते दो दशकों में अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में भारत की वास्तविक जीडीपी करीब आठ प्रतिशत की दर से बढी है। वहीं बाजार मूल्य के हिसाब से पिछले 20 वर्षों में जीडीपी वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत रही है।

उन्होंने कहा, 'आज हमारे पास जो कुछ भी है, उसमें से बहुत कुछ पिछले दो दशकों में हुआ है। इस दौरान हम वैश्विक वित्तीय संकट और कोविड के झटके से भी निपटे। इस वृद्धि ने ही हमें डॉलर के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय जीडीपी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर ला दिया है।'

पनगढिया ने कहा, 'अगर हम आने वाले वर्षों में इसी दर से बढ़ते रहे तो हम 2026-27 तक ही तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं। लेकिन इसकी अधिक संभावना 2027-28 तक होने की है।'

भारत लगभग 3.4 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी के साथ अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है।

# चयन ट्रायल नहीं कराने का अनुरोध, महिला पहलवानों ने कहा- हमें ओलंपिक से पहले मानसिक शांति की जरूरत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक की कोटा विजेता महिला पहलवानों ने शुक्रवार को राष्ट्रीय महासंघ से चयन ट्रायल आयोजित नहीं करने का अनुरोध करते हुए कहा कि अब से वे जो भी कदम उठाएंगें और जो कुछ भी करेंगे उसका असर ओलंपिक में भारत की पदक संभावनाओं पर पड़ेगा। भारतीय कुश्ती महासंघ ने ट्रायल मानदंड तय करने के लिए 21 मई को दिल्ली में अपनी चयन समिति की बैठक बुलाई है। सीनियर विश्व चैंपियनशिप 2021 के फाइनल में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला पहलवान अंशु मलिक ने कहा कि खेलों की तैयारी के लिए अब उन्हें केवल 'मानसिक शांति' की जरूरत है। अंशु को अगर पेरिस जाने का मौका मिलता है तो यह इन खेलों में इस 22 साल की खिलाड़ी के लिए यह दूसरा मौका होगा। उन्होंने पिछले ओलंपिक में 17 साल

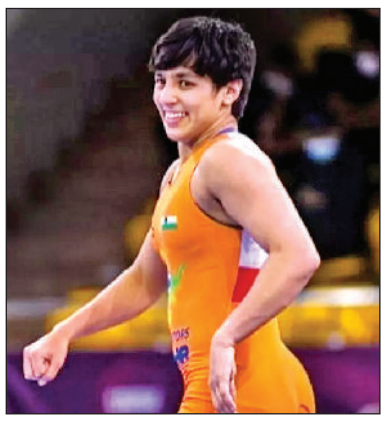

की उम्र में महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल करके आश्चर्यचकित किया था, लेकिन बड़े स्तर के अनुभव की कमी के कारण वह पहले दौर में ही बाहर हो गई थी।

### तैयारी होगी प्रभावित

अंशु को डर है कि खेलों के इतने करीब उनके शरीर पर दबाव डालने से उनकी तैयारी प्रभावित हो सकती है। तोक्यो में अभ्यास कर रही अंशु ने कहा, 'हमें अपने हर छोटे से छोटे काम में बहुत, बहुत सावधान रहना होगा। हम यहां से अपने हर एक कदम में सतर्कता बरत रहे हैं। मैंने हाल ही में कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं, राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, ट्रायल्स और फिर क्वालीफायर, इसलिए मुझे ट्रायल के माध्यम से फिटनेस का आकलन करने की आवश्यकता नहीं है। ओलंपिक से पहले हमें मानसिक शांति की जरूरत है।'

### चोटिल होने का खतरा

विशेषज्ञों का मानना है कि कोटा विजेताओं को ट्रायल के लिए बुलाने से चोटिल होने का खतरा होगा। एक कोच ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'इस स्तर पर, जब सब कुछ दांव पर होगा, पहलवान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। इससे कुछ कठिन मुकाबले हो सकते हैं और चोटें लग सकती हैं। इस स्थिति से बचना चाहिए।'

### ट्रायल एक बड़ी चुनौती

रीतिका का नैसर्गिक वजन 81 किग्रा है और अंडर 23 वर्ग में देश की पहली विश्व चैंपियन ने कहा, 'हमें वजन कम करने में हमें लगभग सात दिन लगते हैं और प्रतियोगिता के बाद ठीक होने में लगभग इतना ही समय लगता है। अगर मुझे प्रक्रिया फिर से शुरू करनी है, तो यह एक बड़ी चुनौती है। हमें ट्रायल से छूट मिलनी चाहिए। मुझे अच्छे प्रदर्शन का पूरा भरोसा है, हालांकि अमेरिका के जिस पहलवान को मैंने अंडर-23 विश्व फाइनल में हराया था, वह भी मजबूत है। मेरा आक्रमण काफी अच्छा है और रक्षा थोड़ी कमजोर है। अगर मैं अपना आक्रामक खेल जारी रख सकी तो मैं पेरिस में पदक जीत सकती हूं।'

### रणनीति बनाने में होगी मुश्किल

निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुडा (76 किग्रा) उन पांच महिला पहलवानों में शामिल हैं, जिन्होंने भारत के लिए कोटा हासिल किया है। रोहतक में सत्यवान के अखाड़े में प्रशिक्षण लेने वाली निशा ने कहा, 'मैं अभी भी क्वालीफायर में वजन-कटौती से उबर रही हूं, अगर हम फिर से ट्रायल से गुजरते हैं, तो यह हमारे शरीर पर असर डालेगा। हमें दिग्गज पहलवानों से भिड़ना है और उसके लिए कारगर योजना बनाने की जरूरत है, लेकिन अगर ट्रायल के बारे में सोचते रहेंगे, तो हम आगे की रणनीति कैसे बनाएंगे।''

## आईपीएल पाइंट टेबल

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| कोलकाता | 13 | 9 | 3 | 19 |
| राजस्थान | 13 | 8 | 5 | 16 |
| हैदराबाद | 13 | 7 | 5 | 15 |
| चेन्नई | 13 | 7 | 6 | 14 |
| दिल्ली | 14 | 7 | 7 | 14 |
| लखनऊ | 14 | 7 | 7 | 14 |
| बेंगलोर | 13 | 6 | 7 | 12 |
| गुजरात | 14 | 5 | 7 | 12 |
| पंजाब | 13 | 5 | 8 | 10 |
| मुंबई | 14 | 4 | 10 | 8 |

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
661 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

हर्षल पटेल
22 विकेट
पंजाब

## खबर संक्षेप

### प्रो लीग के लिए तैयार नई कप्तान सलीमा

**बेंगलुरु।** भारतीय महिला हॉकी टीम की नई कप्तान सलीमा टेटे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से सबक लेकर बुधवार से

बेल्जियम के एंटवर्प में शुरू हो रहे एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में नए सिरे से शुरुआत करना चाहेंगी। पूर्व कप्तान सविता पूनिया के साथ भारत ने भुवनेश्वर और राउरकेला में प्रो लीग के पहले चरण में आठ मैचों में दो ही जीत दर्ज की और नौ टीमों में छठे स्थान पर खिसक गई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोस्ताना श्रृंखला से पहले सलीमा को टीम की कमान सौंपी गई जबकि नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया।

### मेरे रिकॉर्ड को अभी कोई खतरा नहीं

**नई दिल्ली।** दुनिया के सबसे तेज 'फर्राटा' धावक उसेन बोल्ट आठ साल के बाद फिर से ओलंपिक में

होंगे लेकिन प्रतिभागियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि वह पेरिस में सिर्फ उन्हें खेलते हुए देखने के लिए मौजूद होंगे। वह अपने शानदार रिकॉर्ड टूटने के प्रति जरा भी चिंतित नहीं हैं और उनका मानना है कि निकट भविष्य में इन्हें कोई खतरा नहीं है। बर्लिन में 2009 विश्व चैम्पियनशिप में 100 मीटर में उनका 9.58 सेकेंड और 200 मीटर में 19.19 सेकंड का रिकॉर्ड कायम है।

### आस्ट्रेलिया में फुटबॉल मैच फिक्सिंग में तीन गिरफ्तार

**सिडनी।** आस्ट्रेलियाई पेशेवर फुटबॉल में शुक्रवार को लीग क्लब मैकार्थर एफसी के कप्तान द्वारा दो युवा साथी खिलाड़ियों को जानबूझकर पीला कार्ड हासिल करने के लिए 10,000 आस्ट्रेलियाई डॉलर की राशि देने के आरोपों के बाद तहलका मच गया। इसमें मैकार्थर एफसी के कप्तान उलीसेस डाविला तथा साथी खिलाड़ी कीरिन बाकुस और क्लेटन लुईस को मैच फिक्सिंग में कथित लिप्तता के कारण गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि जीतने के लिए सैकड़ों हजार डॉलर की राशि दी गई। शुक्रवार को सभी तीनों खिलाड़ियों को आधिकारिक रूप से आरोपित किया गया और उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। डाविला 24 जून को अदालत में पेश होंगे। जांचकर्ताओं का आरोप है कि 24 नवंबर और नौ दिसंबर को खेले गये मैच के दौरान पीले कार्ड के लिए छेड़छाड़ की गई।

## पूरन-राहुल की फिफ्टी, लखनऊ जीत के बावजूद प्लेऑफ रेस से बाहर

# एलएसजी से 18 रन से हारकर मुंबई ने खत्म किया आईपीएल अभियान

एजेंसी ▶▶ मुंबई

निकोलस पूरन (29 गेंद में 75) और कप्तान लोकेश राहुल (41 गेंद में 55) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच 44 गेंद में 109 रन की साझेदारी के दम पर लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में शुक्रवार को यहां मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराया। एलएसजी ने छह विकेट पर 214 रन बनाने के बाद रोहित शर्मा (38 गेंद में 68 रन) और नमन धीर (28 गेंद में नाबाद 62 रन) की अर्धशतकीय पारियों के बाद भी मुंबई को छह विकेट पर 196 पर रोक दिया। इस हार के बाद यह तय हो गया कि मुंबई की टीम 14 मैचों में सिर्फ चार जीत के साथ आखिरी पायदान पर रहेगी। एलएसजी का अभियान 14 मैचों में सात जीत के साथ खत्म हुआ। टीम तालिका में छठे पायदान पर है। टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम के दृष्टिकोण से रोहित का लय में आना अच्छी खबर है। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और तीन छक्के जड़ने के साथ पहले विकेट के लिए डेवाल्ड ब्रेविस (23) के साथ 88 रन की साझेदारी कर मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलायी। आखिरी ओवरों में नमन ने अपनी

पारी में चार चौके और पांच छक्के लगाये और छठे विकेट के लिए इशान किशन (14 रन) के साथ 32 गेंद में 68 रन की साझेदारी कर मुंबई की उम्मीदें जगा दी थी लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अच्छा साथ नहीं मिला। एलएसजी के लिए रवि बिश्नोई और नवीन अल हक ने दो-दो विकेट लिये। कृणाल पंड्या और मोहसिन खान को एक-एक सफलता मिली। मैन ऑफ द मैच पूरन ने अपनी ताबड़तोड़ पारी में पांच चौके और आठ छक्के जड़े तो वही राहुल ने तीन चौके और इतने ही छक्के लगाये जिससे एलएसजी 10वें ओवर में 69 रन तीसरा विकेट गंवाने के बावजूद बड़ा स्कोर करने में सफल रही। आखिरी ओवरों में आयुष बडोनी (10 गेंद में नाबाद 22) और कृणाल पंड्या (सात गेंद में नाबाद 12) ने सातवें विकेट के लिए 17 गेंदों में 36 रन की अटूट साझेदारी कर मुंबई की मुश्किलें बढ़ा दी। मुंबई के लिए नुवान तुषारा ने 28 रन देकर तीन जबकि पीयूष चावला ने 29 रन देकर तीन विकेट लिये। टीम के बाकी सभी गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए।

**एलएसजी-214/6 (20)**

| खिलाड़ी | रन |
|---|---|
| लोकेश का तुषारा बो चावला | 55 |
| देवदत्त पगबाधा तुषारा | 00 |
| मार्कस पगबाधा चावला | 28 |
| दीपक हुड्डा का वढ़ेरा बो चावला | 11 |
| पूरन का सूर्यकुमार बो तुषारा | 75 |
| अरशद खान का वढ़ेरा बो तुषारा | 00 |
| आयुष बडोनी नाबाद | 22 |
| कृणाल पंड्या नाबाद | 07 |
| अतिरिक्तः 11 | |
| कुल योगः (20 ओवर में छह विकेट पर) 214 रन | |
| गेंदबाजीः तुषारा 4-0-28-3, अर्जुन 2.2-0-22-0, कम्बोज 3-0-48-0, चावला 4-0-29-3, वढेरा 2-0-13-0, हार्दिक 2-0-27-0, नमन 0.4-0-17-0, शेफर्ड 2-0-30-0 | |

**मुंबई-196/6 (20)**

| खिलाड़ी | रन |
|---|---|
| रोहित का मोहसिन बो बिश्नोई | 68 |
| डेवाल्ड का कृणाल बो नवीन | 23 |
| सूर्यकुमार का बिश्नोई बो कृणाल | 00 |
| इशान किशन बो नवीन | 14 |
| पंड्या का नवीन बो मोहसिन | 16 |
| नेहाल का कृणाल बो बिश्नोई | 01 |
| नमन धीर नाबाद | 62 |
| रोमारियो शेफर्ड नाबाद | 01 |
| अतिरिक्तः 11 | |
| कुल योगः (20 ओवर में छह विकेट पर) 196 रन | |
| गेंदबाजीः अरशद 2-0-11-0, हेनरी 2-0-24-0, कृणाल 4-0-29-1, मोहसिन 4-0-45-1, नवीन 4-0-50-2, बिश्नोई 4-0-37-2 | |

### आखिरी प्लेआफ स्थान के लिए बेंगलोर और चेन्नई में टक्कर

**बेंगलुरु।** लगातार पांच जीत दर्ज कर चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल प्लेआफ में चौथी टीम के निर्धारण के लिए शनिवार को यहां करो या मरो के मुकाबले में पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के सामने होंगी लेकिन इस मैच पर मौसम की गाज गिरने की आशंका भी है। हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस का मैच बारिश में धुलने के कारण अब कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बाद सनराइजर्स प्लेआफ में पहुंच गई है। अब सिर्फ एक स्थान के लिए रस्साकशी है और दो टीमें सीएसके तथा आरसीबी दौड़ में हैं। बेहतर रनरेट और अधिक अंक (13 अंक और 0 . 528 रनरेट) होने से चेन्नई का दावा मजबूत है।

# वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो के लिए भारतीय टीम के ट्रायल

## चयन की जिम्मेदारी जेजेटीयू को मिली

कोरिया में जुलाई में होगा वर्ल्ड ताइक्वांडो यूनिवर्सिटी फेस्टिवल

**नई दिल्ली।** दक्षिण कोरिया के महानगर डेगू में जुलाई में प्रस्तावित वर्ल्ड ताइक्वांडो यूनिवर्सिटी फेस्टीवल के लिए इंडिया ताइक्वांडो ने राजस्थान के झुंझुनूं स्थित श्री जेजेटी युनिवर्सिटी को भारतीय टीम के ट्रायल, कैंप और चयन का आयोजन करने की बडी जिम्मेदारी सौंपी है। राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता व ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो चैंपियनशिप के पदक विजेता खिलाडियों को इस कैंप में जगह दी जाएगी, जो 20 दिन के कठिन कैंप के बाद भारतीय टीम में शामिल होने के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश करेंगे।वर्ल्ड ताइक्वांडो से संबद्ध इंडिया ताइक्वांडो के महासचिव अमित धामल द्वारा इस संबंध में श्री जेजेटी युनिवर्सिटी झुंझुनूं के वाइस चांसलर डॉ देवेन्द्र सिंह ढुल को आधिकारिक पत्र भेजा गया है। पत्र के मुताबिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो आयोजन समिति डेगू 2024 वर्ल्ड ताइक्वांडो यूनिवर्सिटी फेस्टिवल का आयोजन दक्षिण कोरिया में करवाने जा रहा है। डेगू महानगर स्थित केमयुंग युनिवर्सिटी में 5 जुलाई से 7 जुलाई तक होने वाले इस आयोजन के लिए भारतीय टीम के ट्रायल से लेकर चयनित खिलाडियों के लिए कैंप का आयोजन करने की जिम्मेदारी श्री जेजेटी युनिवर्सिटी झुंझुनूं को दी गई है। यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन डॉ विनोद टिबड़ेवाला व यूनिवर्सिटी प्रेजीडेंट डॉ देवेन्द्र सिंह ढुल ने इस जिम्मेदारी के लिए इंडिया ताइक्वांडो के प्रेजीडेंट नामदेव शिरगांवकर का आभार जताया है।

## शारजाह में निकोलस से हारे अर्जुन एरिगेसी

**शारजाह।** भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में यूनान के निकोल थियोडोरोउ से हार गए। उन्होंने हालांकि तीसरे दौर में स्विटजरलैंड के निकोलाइ काचेरावा को हराया और लाइव रेटिंग में आठवें स्थान पर बने हुए हैं। भारत के अराविंद चिदंबरम ने अजरबैजान के मुरादली मुहम्मद को हराया।

# परवीन के निलंबन से भारत ने गंवाया ओलंपिक कोटा

### 57 किग्रा में फिर से होगी कोटा हासिल करने की कोशिश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पिछले 12 महीने में तीन बार अपना ठिकाना (वेयरअबाउट) नहीं बताने के कारण विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज परवीन हुड्डा को विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) द्वारा निलंबित किये जाने के बाद भारत महिलाओं के 57 किग्रा वजन वर्ग में फिर क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा। पिछले साल एशियाई खेलों में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली परवीन ने अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच अपने ठिकाने की जानकारी नहीं दी थी जो वाडा नियमों के तहत अनिवार्य है। इससे उन पर 22 महीने का निलंबन लगाया गया। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, ''परवीन हुड्डा को ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईटीए) द्वारा 22 महीने के लिए निलंबित किया गया है।'' हालांकि संबंधित एजेंसियों के साथ चर्चा के बाद, परवीन की सजा की तारीख को कम करते हुए बदल दिया गया है जिससे उन्हें अब शुक्रवार से 14 महीने का निलंबन झेलना होगा।

### ब्राजील में होगा 2027 फीफा महिला विश्व कप

**बैंकॉक।** ब्राजील में 2027 महिला फुटबॉल विश्व कप होगा चूंकि फीफा के पूर्णकालिक सदस्यों ने बेल्जियम, नीदरलैंड और जर्मनी के संयुक्त प्रस्ताव पर दक्षिण अमेरिकी देश को तरजीह दी है। फीफा कांग्रेस ने ब्राजील के पक्ष में 119 वोट दिए जबकि संयुक्त यूरोपीय बोली को 78 वोट मिले। अमेरिका और मैक्सिको ने संयुक्त प्रस्ताव पिछले महीने वापिस ले लिया था जबकि दक्षिण अफ्रीका ने नवंबर में अपनी दावेदारी वापिस ले ली थी। पहली बार महिला फुटबॉल विश्व कप दक्षिण अमेरिका में होगा । टूर्नामेंट पहली बार 1991 में खेला गया था।

# निशानेबाज भाकर का चयन ट्रायल्स में दबदबा

**भोपाल।** ओलंपियन मनु भाकर ने शुक्रवार को यहां 10 मीटर एयर पिस्टल ओलंपिक चयन ट्रायल्स में शानदार स्कोर से एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह की चुनौती पस्त करते हुए पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा। मनु ने तीसरे ओएसटी में 241.0 का शानदार स्कोर बनाकर ईशा (240.2) और रिदम सांगवान (220.3) को पछाड़ा। सुरभि राव (199.3) और पलक (179.1) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल ओएसटी टी3 फाइनल में नवीन ने 246.8 अंक का स्कोर बनाया जिससे वह मौजूदा विश्व रिकॉर्ड से 0.3 अंक से पीछे रहे। सरबजोत सिंह (242.4) ने दूसरा स्थान हासिल किया। उनके बाद अर्जुन सिंह चीमा (218.8), वरूण तोमर (197.3) और रविंदर सिंह (176.9) क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। रमिता जिंदल महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल्स (ट्रायल 3) ने 252.6 अंक का स्कोर बनाया जिससे वह दूसरे स्थान पर रहने वाली ओलंपियन इलावेनिल वलारिवान (252.1) से आगे रहीं।

# विश्व क्वालीफायर से पहले कोरिया में अभ्यास करेंगी तीरंदाज दीपिका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी अगले महीने तुर्किये के अंताल्या में होने वाले आखिरी ओलंपिक विश्व क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से पहले दक्षिण कोरिया में अभ्यास करेंगी।

पिछले महीने शंघाई में विश्व कप में रजत पदक जीतने के बाद दीपिका को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना में फिर से शामिल किया गया है। वह भारतीय महिला टीम का हिस्सा है जो पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने का प्रयास करेगी। वह 13 दिन तक किम तीरंदाजी स्कूल में अभ्यास करेंगी और 14 जून से अंताल्या में होने वाले क्वालीफायर के लिए

रवाना होंगी। टॉप्स के तहत मंत्रालय उनके हवाई किराए, रहने खाने, अभ्यास और स्थानीय आवागमन का खर्च उठाएगा। मिशन ओलंपिक सेल ने तीरंदाजी पुरुष और महिला टीमों को फिजियोथेरेपी उपकरण खरीदने के लिए भी वित्तीय सहायता मंजूर की है। इसके अलावा प्रवीण जाधव को तीरंदाजी उपकरण खरीदने और निशानेबाज रेइजा ढिल्लों को भारत में 11 दिन तथा इटली में एक सप्ताह अभ्यास को भी मंजूरी दे दी है। ट्रैप निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी की विजन एंड आई ट्रेनिंग कोच की गुजारिश भी मान ली गई है। एथलीट एल्डोस पॉल और किशोर कुमार जेना और बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय के अनुरोध भी मान लिए गए।

## छह जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे अंतिम मैच

# संन्यास का फैसला अंतर्मन की आवाज पर लिया : छेत्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल कप्तान सुनील छेत्री ने शुक्रवार को कहा कि अगले महीने कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के बाद संन्यास का फैसला उन्होंने अंतर्मन की आवाज पर लिया और घरेलू सर्किट पर अपने उत्तरदायित्व पूरे करने के बाद वह ब्रेक लेना चाहेंगे। 39 वर्ष के छेत्री ने कुवैत के खिलाफ छह जून को फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला लिया है। इसके साथ ही 19 बरस के उनके सुनहरे करियर पर भी विराम लग जाएगा जिसमें उन्होंने 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल भारत के लिए सर्वाधिक 94 गोल किए। छेत्री ने वर्चुअल बातचीत में कहा, 'संन्यास का फैसला

शारीरिक कारणों से नहीं लिया। मैं अभी भी फिट हूं, दौड़ रहा हूं, डिफेंड कर रहा हूं, मेहनत करना मुश्किल नहीं है। यह फैसला मानसिक पहलू को ध्यान में रखकर लिया। मैं खुद से लड़ रहा था। समग्र रूप से सोचने की कोशिश कर रहा था और अचानक यह फैसला लिया। एक साल बेंगलुरु एफसी के लिए खेलूंगा। घरेलू फुटबॉल कब तक खेलूंगा, पता नहीं। उसके बाद ब्रेक लूंगा।' यह पूछने पर कि बतौर खिलाड़ी कैरियर खत्म होने पर क्या वह कोचिंग के बारे में सोचेंगे, छेत्री ने कहा, 'मैं कभी ना नहीं कहूंगा। ब्रेक के दौरान इस पर सोचूंगा लेकिन अभी यह मेरे एजेंडे में प्राथमिकता नहीं है। बाईचुंग भूटिया के बाद भारतीय फुटबॉल के ध्वजवाहक रहे छेत्री ने कहा कि उन्होंने फैसला लेने से पहले कोच इगोर स्टिमक से बात की। उन्होंने कहा, 'मैं स्टिमक के पास गया और इस फैसले के बारे में बताया। वह मेरी बात समझ गए।'

### संन्यास के बारे में दोस्त कोहली को बताया

भारतीय कप्तान सुनील छेत्री जब फुटबॉल से विदा लेने के अपने फैसले के बारे में घोषणा करने की सोच रहे थे तो उन्हें बखूबी पता था कि ऐसा एक इंसान है जो उनकी स्थिति को समझेगा और उनके दोस्त विराट कोहली ने भी उन्हें निराश नहीं किया। उन्होंने इसकी सार्वजनिक घोषणा करने से पहले कोहली को इसके बारे में बताया। छेत्री ने भुवनेश्वर से आनलाइन मीडिया संवाद में कहा, 'मैने फैसला लेने से पहले विराट कोहली से बात की। वह मेरे काफी करीब है। मैने उससे बात की क्योंकि वह इसे समझ सकता था। खेल के उतार चढ़व, संन्यास। मुझे पता था कि वह समझेगा।'

# दुनिया को बड़ी टक्कर देने के लिए इसरो के नए रॉकेट की डिजाइन तैयार, भारी कम्यूनिकेशन सैटेलाइट्स को लॉन्च करना होगा आसान

- एनजीएलवी का वजन 700 टन,ऊंचाई 246 फीट और व्यास 16 फीट होगा
- भविष्य में रॉकेट की लांचिंग के खर्च में आएगी कमी
- सरकार की हरी झंडी मिलते ही काम हो जाएगा शुरु

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का नया रॉकेट तैयार होने वाला है। इसका डिजाइन फाइनल स्टेज में पहुंच चुका है। इसका नाम है नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल (एनजीएलवी)। यह एक हैवी लिफ्ट रॉकेट होगा, जो दशकों से इसरो के काम आ रहे पीएसएलवी की जगह लेगा। इसकी डिजाइन पूरी होने वाली है। इसरो को अब सरकार की हरी झंडी का इंतजार है, ताकि डिजाइन को प्रैक्टिकल प्लेटफॉर्म पर उतारा जा सके। यानी इसका रॉकेट बनाया जा सके। एनजीएलवी रॉकेट तीन स्टेज का होगा। यह 10 टन के पेलोड को जियोस्टेशनरी ट्रांसफर ऑर्बिट तक पहुंचा सकेगा। साथ ही यह अन्य रॉकेटों की तुलना में किफायती होगा।

> इसरो के नए रॉकेट एनजीएलवी का डिजाइन बनकर तैयार है। बस अब सरकार की तरफ से रॉकेट बनाने का निर्देश मिलना बाकी है। जैसे ही हरी झंडी मिली। इसरो देश के लिए नया रॉकेट बना देगा। इसके बाद इसरो रॉकेट के मामले में अमेरिका, रूस, यूरोप, चीन समेत पूरी दुनिया को और बड़ी टक्कर देगा।

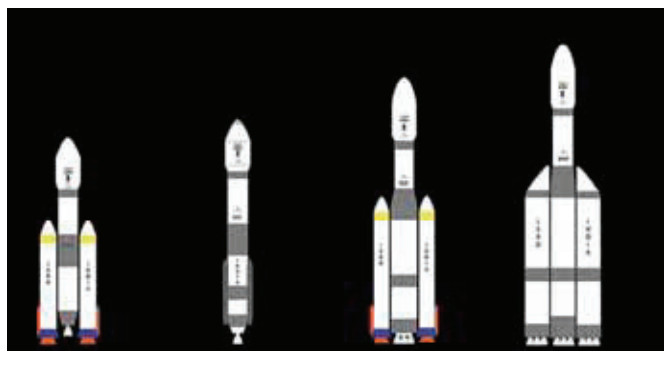

### रॉकेट बनाना होगा आसान

दोबारा इस्तेमाल करने वाले हिस्सों की वजह से रॉकेट लॉन्च का खर्च कम हो जाएगा. इसकी डिजाइन मॉड्यूलर होगी। ताकि ज्यादा मात्रा में इसका प्रोडक्शन किया जा सके। इसका बड़ा फायदा ये है कि इससे इसका मेंटेनेंस आसान हो जाएगा। इसमें सेमी-क्रायोजेनिक प्रोपल्शन सिस्टम होगा।

### अलग-अलग वैरिएंट्स ले जाएंगे सैटेलाइट्स

इसके अलग-अलग वैरिएंट्स बनाए जाएंगे. एनजीएलवी रॉकेट्स लोअर अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) तक 17 हजार से 48 हजार किलोग्राम के पेलोड ले जा पाएंगे। जबकि जियोस्टेशनरी ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) तक 8500 से 24 हजार किलोग्राम तक के पेलोड को पहुंचा पाएंगे।

### इस तरह होगा बड़ा फायदा

फायदों की बात करें तो इसरो भविष्य में इससे काफी भारी कम्यूनिकेशन सैटेलाइट्स लॉन्च कर सकेगा। क्योंकि अभी तक इसरो के पास जो भी रॉकेट हैं, वो अधिकतम 4-5 टन के सैटेलाइट ही लॉन्च कर पाते हैं। यह रीयूजेबल रॉकेट होगा। यानी इसका कुछ हिस्सा फिर से इस्तेमाल करने लायक बनाया जाएगा।

### लॉन्चिंग होगी किफायती

सेमी-क्रायोजेनिक प्रोपल्शन सिस्टम यानी रिफाइंड केरोसिन और लिक्विड ऑक्सीजन को ईंधन के तौर पर इस्तेमाल करेंगे। इस ईंधन के इस्तेमाल से भी खर्चा बचेगा। ओपन सोर्सेस पर मौजूद जानकारी के मुताबिक एनजीएलवी की ऊंचाई 246 फीट होगी। इसका व्यास 16 फीट होगा। वजन 600 टन से 700 टन के बीच होगा।

## खबर संक्षेप

### अब नेपाल में भी प्रतिबंधित हुए मसाले

**नई दिल्ली।** सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के बाद अब नेपाल ने भी भारत के दो मसाला ब्रांड एवरेस्ट और एमडीएच की बिक्री, खपत और आयात पर रोक लगा दी है। नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के प्रवक्ता मोहन कृष्ण महारजन ने कहा कि नेपाल में आयात किए जा रहे एवरेस्ट और एमडीएच ब्रांड के मसालों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मसालों में हानिकारक केमिकल के अंश पाए जाने की खबर आने आयात पर प्रतिबंध लगा था ।

### बच्चों ने देखा संदिग्ध सेना ने की घेराबंदी

**जम्मू।** संदिग्धों के देखे जाने की सूचनाओं के बीच आम नागरिक खौफजदा हैं। कठुआ जिले के डग्गर और जुथाना गांव के बाद अब लखनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पड़ती पुलिस पोस्ट बसंतपुर से सटे कसोरी गांव में स्कूली बच्चों ने एक संदिग्ध देखने की सूचना पुलिस को दी है। पुलिस ने तुरंत हरकत में आते हुए इलाके की घेराबंदी कर तलाशी शुरू कर दिया। लखनपुर के कसोरी गांव के बच्चे सुबह स्कूल जा रहे थे तो उन्होंने पहाड़ी पर एक अजनबी को देखा, जो वहां से भाग गया।

### तेल बहने से अमेरिका को अरबों का नुकसान

**मेक्सिको।** मेक्सिको की खाड़ी में अमेरिका का 40 लाख लीटर से ज्यादा तेल स्वाहा हो गया। अमेरिका को इससे अरबों रुपए का नुकसान हुआ है। तेल लुइसियाना के दक्षिण-पूर्वी तट पर एक पाइपलाइन से लीक हुआ। पाइपलाइन को बंद कर दिया गया है लेकिन अमेरिका लीक के कारणों का सटीक पता लगाने में जुटा है। अबतक तेल का अंश किनारे तक नहीं पहुंचा है लेकिन समुद्री जानवरों की जान पर खतरा बन आया है। इससे कुछ तेल वाष्प बनकर हवा में उड़ हए और पानी के साथ फैलने लगे।

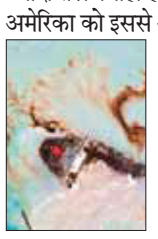

### हरियाणा में 57 फीसदी आरक्षण को चुनौती

**चंडीगढ़।** हरियाणा में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक होने को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार व अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका दाखिल करते हुए संस्था यूथ फॉर इक्वेलिटी ने एडवोकेट अशोक शर्मा नाभेवाला और गौरी शर्मा के माध्यम से बताया कि आरक्षण को लेकर अभी तक पीठ और पीठ तय कर चुकी हैं कि आरक्षण की कुल सीमा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती।

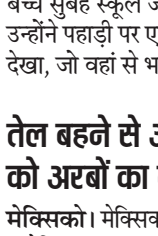


## ईरान के साथ चाबहार डील मामला

# पीएम ने इशारों में अमेरिका को बहुत कुछ कह दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में ईरान और भारत के बीच हाल ही में हुए चाबहार समझौते पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चाबहार समझौता भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा समझौता है। साथ ही चाबहार समझौते पर अमेरिका की चेतावनी पर भी पीएम मोदी ने दो टूक जवाब दिया। उन्होंने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि भारत कोई भी फैसला अपने लिए करेगा, किसी तीसरे के आधार पर नहीं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारा नैरेटिव ये था कि हम इससे इतने दूर हैं, हम उससे इतने दूर हैं। हम समान दूरी बरतते थे, हमारी डिप्लोमेटिक भाषा में यही चलता था, मैंने कहा, कुछ नहीं करना है अब... मेरी भाषा है कि हम कितने नजदीक हैं। अब दुनिया में ये प्रतिस्पर्धा शुरू हुई कि निकट कैसे जाएं इसके। पहले दूर रहने की प्रतिस्पर्धा थी, अब बदल गया। अब सब लोगों में निकट आने की प्रतिस्पर्धा चल रही है। ईरान के साथ चाबहार समझौता का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'अब कल ईरान में बहुत बड़ा निर्णय हुआ है।

यह हिंदुस्तान के अखबारों की हेडलाइन न्यूज है। और मेरे मिनिस्टर चाहबहार ईरान में थे। चाहबहार पोर्ट का फाइनल अग्रीमेंट हुआ है, सेंट्रल एशिया से जुड़ा हुआ हमारी अर्थव्यवस्था का यह बहुत बड़ा काम हुआ है। हेडटेबल क्या होता है जी? इन सारी लड़ाइयों के बीच में मेरा चाबहार का अग्रीमेंट हो जाता है।

### चेतावनी पर पीएम की प्रतिक्रिया

पीएम मोदी ने भी अप्रत्यक्ष तरीके से अमेरिका को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम किसी तीसरे के आधार पर अपना निर्णय नहीं करेंगे। हम निर्णय हमारे लिए करेंगे। फलाने को बुरा लगेगा तो? इससे बात करेंगे तो? जी नहीं.... मैं सबसे बात करूंगा। राष्ट्रपति पुतिन अगर मेरी भरपूर तारीफ करते हैं, इसका मतलब ये नहीं कि मैं राष्ट्रपति पुतिन को मिलकर यह नहीं कह सकता कि दिस इज नॉट टाइम फॉर वॉर (यह युद्ध का समय नहीं है)। वो भी सम्मान करेंगे कि चलिए कोई मित्र है जो यह बताता है कि क्या सही है, क्या गलत है। यूक्रेन को भी मुझ पर इतना ही भरोसा है। मुझ पर यानी भारत पर।अमेरिका और रूस के साथ बैलेंस को लेकर पीएम मोदी ने कहा- मैं मानता हूं कि ये सब तब होता है जब आपके इरादे नेक हों, आपके प्रति विश्वास हो तो चोरी छुपे और अमेरिकंस से पूछ करके नहीं करना होता है।

## विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को दी सख्त चेतावनी

# पाकिस्तान बंद करे आतंक की फैक्ट्री भारत बिल्कुल 'बर्दाश्त' नहीं करेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान को खुले शब्दों में चेतावनी दी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि अगर पड़ोसी देश भारत में सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश करता है तो उसको गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि भारत में किसी भी तरह की सीमा पार आतंकवाद गतिविधि के प्रति सहनशीलता बहुत कम है। दिल्ली में सीआईआई के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान लगातार अपने देश में आतंकवाद का पनाहगार बना हुआ है।

विदेश मंत्री ने इस दौरान आतंकवाद के प्रति एक बार फिर भारत के रुख को दोहराते हुए कहा कि साल 2014 में ही देश ने स्पष्ट निर्णय लिया था कि वे किसी भी सीमा पार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगा।

*विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि अगर पड़ोसी देश भारत में सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश करता है तो उसको गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। पाकिस्तान अपने देश में आतंकवाद का पनाहगार बना हुआ है।*

### खास बातें

- दिल्ली में सीआईआई के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन को विदेश मंत्री ने किया संबोधित
- घटनाएं होती हैं तो नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर इसके दिखेंगे परिणाम

### पाकिस्तान को बंद करना होगा आतंक

*उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान अपने देश में लगातार आतंकियों को बढ़ावा दिया है। हालांकि, अगर वह इस तरह की हरकतों और अपने यहां पनपे इस उद्योग को बंद कर देता है तो भारत के लोग भी उसके साथ सामान्य पड़ोसी की ही तरह व्यवहार करेंगे।*

### भारत ने 2014 में दिया था स्पष्ट निर्णय

विदेश मंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत के लोगों ने 2014 में बहुत स्पष्ट निर्णय लिया था कि वे इसे स्वीकार नहीं करेंगे। देश किसी भी तरह की सीमा पार आतंकवाद गतिविधि के लिए सहिष्णुता बहुत कम है। घटनाएं भारत सहन बिलकुल नहीं करेंगा।

### चीन से सीमा विवाद अधिक जटिल

*चीन पर बोलते हुए उन्होंने ड्रैगन के साथ सीमा विवादों को अधिक जटिल बताया। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ संबंधों की जटिलता के तीन पहलू हैं। एक बुनियादी पहलू यह है कि सीमा क्षेत्र में शांति भंग हो गई है। जयशंकर ने कहा कि अगर कोई देश लिखित समझौते से पीछे हट गया है और भारत की सीमाओं पर कुछ कर रहा है, तो हम यह नहीं कह सकते कि व्यापार सामान्य रूप से जारी रहेगा और अन्य चीजें नहीं होंगी। दूसरे मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि चीन से संबंध व्यापार असंतुलन का मुद्दा भी है। उन्होंने कहा कि भारत के व्यापारिक समुदाय के साथ हमारी कुछ चुनौतियां है।*

### सौजन्य भेंट

**नई दिल्ली।** केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से नौसेना प्रमुख(सीएनएस) एडमिरल दिनेश के.त्रिपाठी ने शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विदेश मंत्री को वोट की प्रतिकृति भेंट की।

### नेपाल के पीएम चौथी बार देंगे बहुमत की परीक्षा

**काठमांडु।** नेपाल में वामपंथी दलों की गठबंधन सरकार इस समय अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड ने सदन में एक बार फिर विश्वास मत साबित करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार सुबह संसद सचिवालय को जानकारी दी,जिसमें बताया गया है कि 20 मई को प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल करेंगे।दरअसल, नेपाल के संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक यदि सत्ता गठबंधन का कोई भी दल सरकार से समर्थन वापस लेता है।

### खुफिया जानकारी के लिए हनी ट्रैप का जाल

# नौसेना जासूसी मामले में एनआईए की रडार पर आ गए कई अधिकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों की खुफिया जानकारियां हासिल करने के लिए भारतीय नौसेना के जवानों को हनी ट्रैप में फंसाने की साजिश रच रही है।

इससे जुड़े विशाखापत्तनम जासूसी मामले में अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने मुंबई के निवासी अमान सलीम शेख के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। आधिकारिक बयान में शुक्रवार को बताया गया कि एनआइए ने रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं जुटाने के लिए भारतीय नौसेना के जवानों को हनीट्रैप में फंसाने की पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एक प्रमुख आरोपित अमान सलीम शेख के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

इसमें कहा गया है कि आतंकवाद रोधी एजेंसी ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एनआइए की विशेष अदालत में गुरुवार को शेख के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया।

### जासूसी में अब तक तीन गिरफ्तार

*एनआइए ने मुंबई में पिछले साल 20 नवंबर को अमान सलीम शेख को गिरफ्तार किया था। शेख समेत मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपितों की कुल संख्या तीन हो गई है। दो फरार पाकिस्तानी गुर्गों सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एनआइए पहले ही आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। पिछले साल छह नवंबर को एनआइए ने दो अन्य आरोपितों मनमोहन सुरेंद्र पांडा और अल्चेन के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था।*

## मुंबई समेत दुनिया के कई बड़े तटीय शहरों पर संकट

# समंदर में डूब सकता है बैंकॉक, थाईलैंड खोज रहा नई राजधानी

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

दुनिया भर के सैलानियों को अपनी ओर खींचने वाले थाईलैंड को अपनी राजधानी बैंकॉक बदलनी पड़ सकती है। दरअसल, थाईलैंड की मौजूदा राजधानी बैंकॉक के जलवायु परिवर्तन की वजह से समुद्र में डूबने का खतरा बढ़ गया है। थाईलैंड के क्लाइमेट चेंज ऑफिस के अनुसार, समुद्र के बढ़ते स्तर के कारण थाईलैंड को अपनी राजधानी बैंकॉक को ट्रांसफर करने पर विचार करना पड़ सकता है। पहले के कई अनुमानों में कहा गया है कि इस सदी के आखिर तक बैंकॉक के तटीय इलाकों के समुद्र में समाने का खतरा है। वैसे भी चकाचौंध वाला यह शहर बारिश के दिनों में भारी बाढ़ से जूझने लगता है।

### 2050 तक डूब सकते हैं ये शहर

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया के ये शहर 2050 तक डूब सकते हैं। ये हैं- अमेरिका का सवाना और न्यू ऑरिलिएंस, गुएना की राजधानी जॉर्जटाउन, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक, भारत के कोलकाता और मुंबई, वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी, इटली की वेनिस सिटी, इराक का बसरा, नीदरलैंड्स का एम्सटर्डम।

### क्यों हो रहा है जलवायु में बदलाव?

*सना रहमान के अनुसार, जमीन के भीतर बहुत सा कॉर्बन अलग-अलग रूपों में मौजूद है। ये कॉर्बन लाखों साल से धरती में मौजूद है। इस कॉर्बन को इतने साल तक रहने की वजह से धरती ने इसे अपने सीने से लगाए रखा और उससे एक लगाव सा हो गया। यह कॉर्बन पेट्रोलियम, गैस या कोयले के रूप में मौजूद रहा। शहरों के आधुनिकीकरण और इंडस्ट्रियलाइजेशन की वजह से हमने धरती के भीतर के कॉर्बन को निकालना शुरू कर दिया। उस कॉर्बन को हमने इस्तेमाल के लिए गैस में बदल दिया। गैस की प्रकृति यह है कि यह कॉर्बन डाईआक्साइड के रूप में गर्मी को सोखती है। जब हमने धरती से कॉर्बन निकाल लिया तो वह गैस के रूप में गर्मी भी साथ रखता है।*

### मुंबई तो 2 मिमी की दर से समुद्र में समा रही है

*इटली की वेनिस सिटी में हर साल 2 मिलीमीटर भी पानी बढ़ जाएगा तो वह भी जल्दी डूब सकता है। अमेरिका के मियामी, न्यूयॉर्क जैसे तटीय शहरों पर भी यही खतरा है। आईआईटी मुंबई के शोधकर्ताओं ने बीते साल एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। इसके अनुसार, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई हर दो मिलीमीटर की दर से समुद्र में समा रही है, जिसकी बड़ी वजह जलवायु परिवर्तन है।इंडोनेशिया की राजधानी और देश का सबसे बड़ा शहर जकार्ता का नाम इस सूची में सबसे पहले नंबर पर है। जकार्ता की हालत ऐसी है कि यह हर साल समुद्र में 30.5 सेंटीमीटर तक समा रहा है।*

### 300 किमी की दूरी तय करने की क्षमता

# उत्तर कोरिया ने समुद्र में दाग डाली बैलिस्टिक मिसाइलें

एजेंसी ▶▶ सियोल

अमेरिका और दक्षिण कोरिया की ओर से युद्धक विमानों से किए गए संयुक्त सैन्य अभ्यास के दूसरे दिन उत्तर कोरिया ने पूर्वी तट से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ ने कहा कि पूर्वी तट वानसन क्षेत्र से लांच किए गए हथियारों ने कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले लगभग 300 किलोमीटर की दूरी तय की।संयुक्त अभ्यास में दक्षिण कोरिया के दो एफ-35 एएस और अमेरिका के दो एफ-22 विमान शामिल हुए थे। उत्तर कोरिया की ओर से हाल के महीनों में लगातार हथियारों की टेस्टिंग जारी है। इस बीच अमेरिका और दक्षिण कोरिया भी क्षेत्र में लगातार संयुक्त अभ्यास कर रहा है।

# भ्रष्टाचार का काला खेल!

# मित्तल बंधु द्वारा खुर्दबुद की गई जमीन के दस्तावेजी सबूत

**मित्तल बंधु द्वारा खुर्दबुद जमीन के दस्तावेजी सबूत मिले, जांच रिपोर्ट में जिक्र नहीं**

## आखिर कुम्भकरणीय नींद से कब जागेगा धौलपुर जिला प्रशासन?

## क्या होगी इस मामले पर ठोस कार्रवाई?

**राजस्थान की राजनीति**

**धौलपुर।** मित्तल बंधु द्वारा खुर्दबुर्द करीब 70 हज़ार करोड़ रुपए की जमीन के दस्तावेजी सबूत सामने आए हैं। जांच अधिकारियों ने जांच रिपोर्ट में सबूतों का जिक्र नहीं किया है। उच्चस्तीय जांच में गायब दस्तावेजी पत्रावलियों और नगर परिषद् द्वारा अनियमित तौर-तरीकों से जारी पट्टों का खुलासा होगा। नगर परिषद् कार्यालय से दो रजिस्टर गायब हैं, जिनकी एफ.आई.आर. कोतवाली पुलिस थाने में दर्ज है, पर आज तक जांच आगे नहीं बढ़ी है। बता दें कि महमदपुर और धौलपुर कस्बे के नक्शे में वक्फ जमीन, गैर मुमकिन रास्ते, गैर मुमकिन नहर, नाला, कब्रिस्तान, मजार व कुंए का जिक्र है, जिस पर मित्तल कॉलोनी विकसित की गई है और अब उसका विस्तार कर शेष जमीन को डीएलसी दर से कई गुणा अधिक दर में बेचकर बुर्द बुर्द किया जा रहा है। मित्तल कॉलोनी में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कलक्ट्रेट के 10 बाबुओं के आलीशन मकान भी हैं, जिनका सेवाकाल पुस्तिका में जिक्र तक नहीं किया है। उच्चस्तरीय जांच में कई तथ्य उजागर होने की संभावना है। नगर परिषद् से दो रजिस्टरों का गायब हो जाना, जांच अधिकारियों द्वारा पूर्व में जारी आदेशों को नजरदांज करना, नक्शे को नहीं देखना, खरीददारों के पास एक से सवा करोड़ रुपए के भूखंड खरीदने के लिए राशि के स्रोतों के बारे में नहीं जानना, जांच में विक्रय-विलेख पत्र में खरीदे भूखंड की कीमत को शामिल नहीं करना आदि ऐसे तथ्य हैं, जो मित्तल बंधु को बचाने की ओर इंगित करते हैं। खुर्दबुद जमीन के इतने दस्तावेजी सबूत हैं कि जांच अधिकारी भी जांच के दायरे से नहीं बच सकते पर उच्चस्तरीय जांच कराएगा कौन?

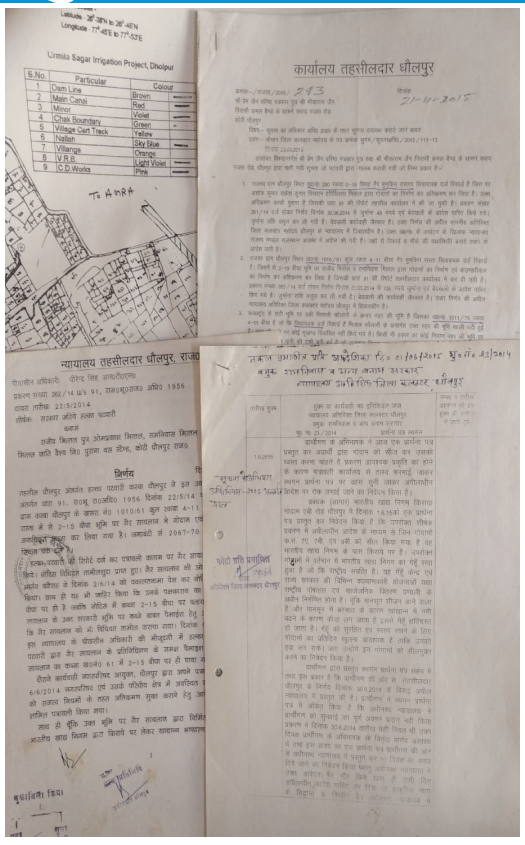

### जन प्रतिनिधियों ने साधी चुप्पी

मित्तल बंधु द्वारा खुर्द बुर्द जमीन के मामले में जन प्रतिनिधियों ने चुप्पी साध रखी है। जाहिरा तौर पर चुप्पी इस ओर इशारा करती है कि जमीनों के मामले में कहीं न कहीं पूर्व एवं वर्तमान सांसद व विधायक दागदार हैं। बसेड़ी के पूर्व विधायक सुखराम कोली ने प्रतिद्वंदी विधायक पर आरोप लगाकर आरोप को हवा दे दी है।

सूत्र बताते हैं कि नगर परिषद् द्वारा बिना साइड प्लान के मित्तल कॉलोनी के अनियमित तौर-तरीकों से जारी किए गए पट्टों पर जन प्रतिनिधियों ने एक लाईन की प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। पूर्व एवं वर्तमान जन प्रतिनिधियों में अब्दुल सगीर, बीएल कुशवाह, शोभारानी कुशवाह, नगर सभापतियों में रीतेश शर्मा, कमल कंसाना और खुशबूसिंह तथा स्थानीय वार्ड पार्षद शामिल हैं। कांग्रेस और भाजपा के हारे जन प्रतिनिधियों ने भी कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। जिसके चलते मित्तल बंधु ने पटवारियों से सांठगांठ कर शहर के बड़े हिस्से की जमीन खुर्द बुर्द कर दिया है। जमीन की कीमत एक से डेढ़ लाख करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

### सबूत डीएलसी और प्राइवेट रेट

मित्तल बंधु ने एक से सवा करोड़ रुपए में भूखंड बेचे हैं और विक्रय-विलेख पत्र में डीएलसी दर हजारों में बताई है। इस पर भी किसी जन प्रतिनिधि ने प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। अभाव में भू कारोबारी पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग को हर रोज लाखों रुपए की चपत लगा रहे हैं। मनियां में तैनात बाबू तो चर्चा का विषय बन गया है। वह 3 साल से उसी सीट पर जमा है और दस्तावेजों का पंजीयन कराने वालों से खुले आम कमीशन ले रहा है, पर ईमानदार है। वह कलक्ट्रेट के एक बाबू को सीट से हटा देने के बाद भी प्रसाद चढ़ा रहा है।

### बरसात में करेंगे त्राहि-त्राहि

प्रतिद्वंदी लाभ से जुड़े मुद्दों पर बिना बताए बोलना शुरू कर देते हैं पर मित्तल कॉलोनी के मामले में सांप सा सूंघ गया लगता है। शहर के चारों ओर की जमीन पर बिना किसी साइड प्लान एप्रूब्ड कराए कॉलोनियां विकसित कर दी गई हैं, उनमें ना तो उद्यान के लिए स्थान छोड़ा है और ना ही सामुदायिक विकास कार्यों के लिए स्थान आरक्षित किया है। बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या से स्थानीय लोग त्राहि-त्राहि करते हैं। बड़ी बात नगर परिषद् में एक भी कॉलोनाइजर का पंजीयन नहीं है और उन्होंने बिना किसी योजना के कॉलोनियां विकसित कर दी हैं। नगर नियोजन विभाग से स्वीकृति नहीं ली है। प्रदूषण नियंत्रण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया है, जबकि रियासत काल में धौलपुर की बसावट और साफ-सफाई के मामले मुक्तकंठ से प्रशंसा की जाती थी।

## वर्ल्ड म्यूजियम डे पर पेरेंट्स के नाम किया एक कोना

# जयपुर के चित्रकार विनय शर्मा की पहल, हर घर में एक छोटा सा म्यूजियम बने, पैरेंट्स की चीजों को किया डिस्प्ले

**राजस्थान की राजनीति**

**जयपुर।** वर्ल्ड म्यूजियम डे पर शहर के प्रसिद्ध चित्रकार विनय शर्मा ने जगतपुरा स्थित अपने म्यूजियम अतीत राग में नया इनोवेशन किया है। उन्होंने म्यूजियम के एक कोने को अपने पूर्वजों को समर्पित किया है। यहां उन्होंने स्मृतियों का कोना नाम देकर उनकी यादों को संजोया है। जहां उन्होंने एक लकड़ी का शोकेस तैयार कर अपने पिताजी मनोहर लाल शर्मा 'सुमन' और माताजी शिव प्यारी देवी से जुड़ी वस्तुओं को उसमें प्रदर्शित किया है व उनकी सुनहरी यादों को म्यूजियम में जगह दी है। विनय शर्मा ने बताया कि आजकल लोग अपने अतीत को भूलने लगे हैं, जिसके कारण कुछ नया इनोवेशन नहीं कर पाते, बिना अतीत को जाने हम सुनहरे भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। इसलिए उन चीजों को जिन्होंने समाज को बहुत कुछ दिया है, समाज को प्रसन्न चित्त रखा है और जीवंत रखा है। उन चीजों को सम्मान देने के लिए इस तरह का एक स्मृतियों का कोना म्यूजियम के रूप में तैयार किया है।

विनय ने बताया कि यह भी एक कला रूप है, जिसे वर्षों तक आपकी पीढ़ियां जुड़ी रहती है और पुरानी यादों को जीवंत करती रहती हैं। नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी से अवगत भी होती रहती है। मैंने अपने स्मृतियों के इस कोने में पिताजी के चश्मे से लेकर उनके जैकेट और उनके लिखे कविता संग्रह को भी इसमें शामिल किया है। इसके अलावा माताजी का वह पात्र जिससे उन्होंने भगवान शिव जी की आराधना की, जल चढ़ाया, इसके अलावा उनकी रसोई का स्टोव और उनके द्वारा उपयोग में लाई अंगीठी को भी इसमें जगह दी है।

विनय ने बताया कि इस इनोवेशन में मेरी पत्नी प्रतिमा शर्मा और बेटे विभोर शर्मा का भी योगदान है। मेरे भाई डॉ विमल शर्मा और भाभी डॉ प्रेमा शर्मा व दूसरे भाई डॉक्टर विनोद शास्त्री और भाभी सुषमा शास्त्री का भी इसमें विशेष सहयोग रहा है। हम चाहते हैं कि ऐसा स्मृतियों को कोना हर परिवार में, हर घर में बने। इसके लिए हमने इस म्यूजियम में आम लोगों को भी आने के लिए आमंत्रित किया है, ताकि वह इससे इंस्पायर होकर अपने घर में एक छोटा सा म्यूजियम बना सके, इस म्यूजियम डे पर हमारा यह छोटा सा प्रयास है।

### घर को बनाया म्यूजियम

जयपुर के जगतपुरा में रहने वाले विनय कुमार शर्मा ने अपने घर में ही एक मिनी स्टूडियो अतीत राग खोल रखा है। जिसमें पुराने समय के टेलीफोन, कैमरे, बाईस्कोप, टाइप राइटर, टेलीविजन, रेडियो, ग्रामोफोन जैसी तमाम चीजें हैं और इनमें से ज्यादातर एंटीक आइटम 100 सालों से भी ज्यादा पुराने हैं। इसमें एक रेडियो कम्युनिकेशन का टेलीफोन है, जिसे विनय शर्मा जर्मनी से जयपुर लेकर आए थे।

अतीत राग स्टूडियो के बारे में विनय शर्मा बताते हैं कि जब वह 11वीं के स्टूडेंट थे, तक से ही उनका आकर्षण इन चीजों के लिए रहता था और तब से ही उन्होंने इन एंटिक चीजों को इकट्ठा करना शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने एक मिनी संग्रहालय तैयार कर लिया। विनय शर्मा बताते हैं कि ये सभी एंटिक सामान उस समय समाज के लोगों से जुड़े हुए और आज की तकनीक चीजों से बिल्कुल अलग हैं। अतीत राग में 100 साल पुराने ऐसे कीमती सामान हैं, जिसे उस समय हमारे पूर्वजों ने इस्तेमाल किया था।

# ब्लड बैंक और मकान मालिक में विवाद: 440 यूनिट ब्लड खराब हुआ, ड्रग विभाग के 3 अफसरों को नोटिस

**राजस्थान की राजनीति**

**जयपुर।** एक ओर प्रदेश में ब्लड की कमी चल रही है। वहीं, दूसरी ओर किरा पर चल रहे ब्लड बैंक और मकान मालिक के विवाद के चलते 440 यूनिट ब्लड एक्सपायर हो गया। मामले में सरकार की ओर से ड्रग विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदार माना गया।

साथ ही तीन अधिकारियों को 17 सीसीए का नोटिस जारी किया है। मामले के अनुसार गोपालपुरा में जीवनदाता ब्लड बैंक भीमराज सैनी के मकान में किराए पर चल रहा था। किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया और मकान मालिक ने ब्लड बैंक खाली करने के लिए कह दिया। लेकिन ब्लड बैंक खाली नहीं किया गया। इसे लेकर दोनों पक्षों में मारपीट तक हो गई और मामले दर्ज करा दिए।

एक दिन मौका पाकर मकान मालिक ने ब्लड बैंक के गेट पर ताला लगा दिया और ब्लड बैंक बंद हो गया। इसके बाद ड्रग विभाग को 29 मई को सूचना मिली और टीम भेजी गई। टीम ने यहां एक्सपायर हो चुके ब्लड को नष्ट कराया और अन्य ब्लड को दूरी जगह शिफ्ट करने के लिए कहा। अब जबकि जीवनदाता ब्लड बैंक मालिक का ही अलवर में एक और ब्लड बैंक है तो पूरे ब्लड को वहां शिफ्ट करने के लिए भी कहा गया।

इससे पहले कि ब्लड शिफ्ट होता, मकान मालिक ने ब्लड बैंक के गेट पर कूलर लगाकर रास्ते को ही ब्लॉक कर दिया। इसके बाद ब्लड बैंक को खोलना ही संभव नहीं था। वहीं, इस विवाद और ड्रग एक्ट के तहत ड्रग विभाग ने इसका लाइसेंस निरस्त कर दिया। लेकिन ब्लड बैंक से ब्लड को शिफ्ट नहीं कराया जा सका। कई दिन तक ब्लड उसमें पड़ा रहा और करीब 440 यूनिट पीआरबीसी और 33 यूनिट आरडीपी भी एक्सपायर हो गया।

### ब्लड बैंक पर ताला, शिफ्ट नहीं कर सके

मामले में ड्रग विभाग के अधिकारियों ने कई बार ब्लड बैंक इंचार्ज को ब्लड शिफ्ट करने के लिए कहा, लेकिन वह भी ब्लड बैंक पर ताला लगा होने की वजह से इसे शिफ्ट नहीं कर सका। ना ही उसने ड्रग विभाग को इसकी सूचना दी। अब जबकि मामला थाने में था और ड्रग विभाग कार्रवाई कर चुका था तो हर कोई पूरी तरह बेफ्रिक हो गया। वहीं, सामने यह भी आया कि ड्रग एक्ट में ऐसा कोई नियम नहीं है कि ड्रग विभाग ब्लड को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ट्रांसफर करा सकें। एक्ट के तहत कार्रवाई के तौर पर केवल लाइसेंस निरस्त और नष्ट कराने का ही नियम है।

÷ब्लड बैंक मालिक ही ब्लड को खुद शिफ्ट कर सकता था। ड्रग एक्ट के तहत हम उसे ट्रांसफर नहीं करा सकते थे। हमने व्यक्तिगत तौर पर उसे ब्लड ट्रांसफर के लिए कहा था और उसने भी आश्वासन दिया था। लेकिन संभव है कि मकान मालिक के ताला लगाने और मामला पुलिस तक पहुंचने की वजह से वह शिफ्ट नहीं कर सका। हमने नियमों के दायरे में रहकर ही कार्रवाई की।÷

**-अजय फाटक, ड्रग कंट्रोलर, जयपुर**

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaipurtak.com, www.dharmjagran.com, www.hindus-tanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।